लखनऊ

सोमवार, 31 मार्च, 2025

वर्ष : 10 । अंक: 256

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

जीवन में दुखद बात यह है कि हम बड़े दो जल्दी हो जाते हैं, लेकिन समझदार देर से होते हैं। - बेंजामिन फ्रेंकलिन

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 16° Low

संक्षेप

अमेरिकी भूविज्ञानी ने किया दावा, 300 से अधिक परमाणु बमों के बराबर थी म्यांमार में आए भूकंप की ऊर्जा

म्यांमार। म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है और देश में कई इमारतें नष्ट हो गई हैं। इस बीच, अमेरिका के एक प्रमुख भूविज्ञानी ने कहा है कि म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के घातक भूकंप की ऊर्जा 300 से अधिक परमाणु बमों के बराबर थी। भूविज्ञानी जेस फीनिक्स ने सीएनएन को बताया, 'ऐसे भूकंप से निकलने वाली शक्ति करीब 334 परमाणु बमों के बराबर होती है।' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ये झटके महीनों तक रह सकते हैं। भूविज्ञानी ने बताया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय टेक्टोनिक प्लेट म्यांमार के नीचे यूरेशियन प्लेट से टकराती रहती है। फीनिक्स ने कहा कि आपदा की पूरी गंभीरता को समझने में कुछ बाधाएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'म्यांमार में चल रहा गृहयुद्ध और संचार व्यवस्था में व्यवधान के कारण बाहरी दुनिया भूकंप के पूरे प्रभाव को समझ नहीं पा रही है।' भारत ने म्यांमार की मदद के लिए आगे आकर 'ऑपरेशन ब्रह्मा' शुरू किया है। इस ऑपरेशन के तहत भारत ने म्यांमार को कंबल, तिरपाल, स्वच्छता किट, स्लीपिंग बैग, सोलर लैंप, खाने के पैकेट और रसोई सेट जैसी ज़रूरी आपूर्ति भेजी है और अपने पड़ोसी देश में एक मेडिकल यूनिट के साथ-साथ खोज और बचाव दल भी तैनात किया है।

ऑटोमोबाइल कंपनी के खाते से 3.63 लाख रुपए निकालने वाले दो ठग गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद की लिंक रोड थाना पुलिस और ट्रांस हिंडन जोन सर्विलांस टीम ने ऑटोमोबाइल कंपनी सव मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते से अवैध रूप से 3,63,473 रुपए निकालने वाले दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 7 मोबाइल फोन, 16 सिम कार्ड, 2 डेबिट कार्ड, 1 ड्राइविंग लाइसेंस, 2 पैन कार्ड और विभिन्न बैंक खातों से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए हैं। इस मामले की शिकायत आनंद वर्मा, निवासी मोहन पार्क, शाहदरा, दिल्ली, ने 26 मार्च को थाना लिंक रोड में दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 9870413741 से फोन कर सव मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के एसबीआई खाते से धोखाधड़ी कर पैसे निकाल लिए। इस शिकायत पर पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 66डी और बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सर्विलांस टीम की मदद से जांच शुरू की। जांच में पता चला कि आरोपियों ने 28 मार्च को दोबारा कंपनी के मालिक को फोन कर खाते से संबंधित जानकारी लेने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मोबाइल नंबर को ट्रेस कर दोनों आरोपियों को सनसाइन बैरियर, दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ऑटोमोबाइल कंपनियों और एजेंसियों को निशाना बनाते थे। सबसे पहले वे गूगल से किसी ऑटोमोबाइल कंपनी की जानकारी निकालते और उसके मोबाइल नंबर जुटाते थे। इसके बाद फर्जी आईडी से लिए गए सिम कार्ड से कंपनी में कॉल कर गाड़ी बुक करने का झांसा देते और उनसे कोटेशन मंगवाते।

'मेरे जिगर के टुकड़ों' कहकर अमित शाह ने बिछाई चुनावी बिसात, मां सीता के मंदिर का ऐलान

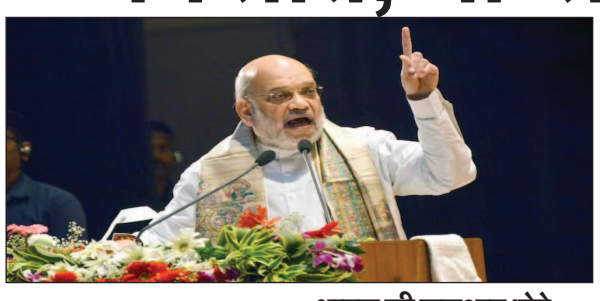

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने आज (30 मार्च) से बिहार चुनाव का शंखनाद कर दिया है। दो दिनों के लिए बिहार दौरे पर आए अमित शाह ने दूसरे दिन

गोपालगंज में रैली की। उनकी इस रैली में एनडीए में बिहार के अन्य सहयोगी दलों के बड़े नेताओं ने भी शिरकत की। यहां उन्होंने चुनावी बिसात बिछाते हुए बिहार में मां सीता का भव्य मंदिर बनाने का ऐलान किया।

गोपालगंज में लोगों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने बिहार की विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने राजद और कांग्रेस पर बिहार के लिए कुछ भी न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'लालू यादव केन्द्र सरकार में मंत्री थे, तब उन्होंने बिहार को क्या दिया? उन्हें इसका हिसाब-किताब देना चाहिए। न लालू यादव ने बिहार के लिये कुछ किया और न ही सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह ने यहां के विकास में कोई योगदान दिया।'

भाषण की शुरुआत 'मेरे जिगर के टुकड़ों से'

अमित शाह ने कहा, 'मेरे जिगर को टुकड़ों जैसे युवा मित्रों सबको राम राम और प्रणाम। मैं सभी धर्म स्थानों को प्रणाम कर शुरुआत करता हूं। ये गोपालगंज की भूमि ने हमेशा देश को नया रास्ता दिखाने का प्रयास किया है। लालू एंड कंपनी ने राम मंदिर बनाने में अड़ंगा लगाया था। लेकिन मैं बता दूं कि अब मां सीता के मंदिर को इसी बिहार की धरती पर स्थापित किया जाएगा।'

गृहमंत्री ने कहा, 'जब भी मोदी जी बीजेपी के लिए वोट मांगने आए तो बिहार की जनता ने ईवीएम को कमल के फूल से भर दिया। इस साल बिहार में चुनाव है। बिहार को तय करना है कि उन्हें लालू-राबड़ी के जंगलराज के रास्ते पर जाना है या मोदी-नीतीश के विकास के पथ पर। मोदी जी 10 साल में कई विकास के काम किये है, जो कांग्रेस पार्टी कभी नहीं कर पाई।'

'लालू यादव के शासनकाल में चीनी मिलें हुईं बंद'

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि बिहार ऐसा क्षेत्र है जहां जमीन उपजाऊ है, जल संसाधन भी बहुत हैं। सहकारिता क्षेत्र का सबसे बड़ा फायदा बिहार को होने वाला है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एक समय था जब देश के चीनी उत्पादन का 30 प्रतिशत उत्पादन बिहार में होता था, लेकिन लालू यादव के शासनकाल में सभी चीनी मिलें बंद हो गईं, और उत्पादन छह प्रतिशत तक पहुंच गया। उन्होंने कहा कि एनडीए की फिर से सरकार बनी तो बंद पड़ी सभी चीनी मिलों को पुनर्जीवित किया जाएगा।केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि जब भी लालू यादव की सरकार आई है, तो बिहार नीचे गया है और जब भी एनडीए की सरकार बनी है।

'लालू जी ने सिर्फ परिवार को सेट किया'

अमित शाह ने कहा, 'लालू जी ने एक ही काम किया है अपने परिवार को सेट करने का। दोनों बेटे सीएम की तैयारी कर रहे हैं। एक बेटी राज्य सभा सांसद हैं, दूसरी बेटी को लोकसभा लड़वाया, पत्नी सीएम रह चुकी हैं। लालू जी ने बिहार के युवाओं को सेट नहीं किया। आरजेडी के समय अपहरण, फिरौती, दंगा आम बात थी। ये लोग घोटाले करते थे और इनको शर्म भी नहीं आती थी। गौ माता का चारा भी बिहार में लालू जी खा गये थे।'

बिहार के लिए किए गए काम गिनवाए

शाह ने कहा, 'एक बार और पांच साल एनडीए की सरकार बनाइयें। हम बिहार को बाढ़ से मुक्त कराएंगे। हमने मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया। मखाना को GI टैग दिलवाया। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा को पद्म भूषण दिया और मरणोपरांत पद्म विभूषण देने का काम किया। एक करोड़ 17 लाख बहनों को गैस सिलिंडर दिया।'

'समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखने-परखने के बाद स्वीकार किया' ; पीएम की मौजूदगी में बोले भागवत

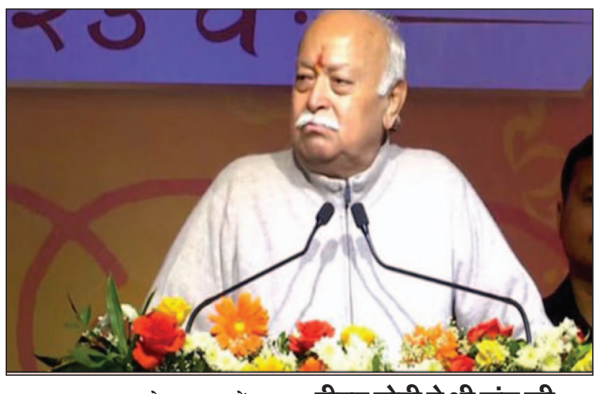

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक सभा को संबोधित करते समय संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की लंबी यात्रा के दौरान समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखा, परखा उसके बाद स्वीकार किया है। इसी का नतीजा है कि तमाम बाधाओं को दूर करते हुए अब स्थिति अनुकूल है और स्वयंसेवक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ के दर्शन में कहा जाता है कि आत्म-विकास पर एक घंटा, जबकि समाज के विकास पर 23 घंटे खर्च करना चाहिए। यही संघ का नजरिया है और आरएसएस के तमाम प्रयास इसी सिद्धांत से प्रेरित हैं।

पीएम मोदी की मौजूदगी में बोले संघ प्रमुख

संघ प्रमुख भागवत ने जब यह बात कही, उस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। पीएम की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक अपने लिए कुछ नहीं मानते, वे सिर्फ सेवा करते रहते हैं। बता दें कि इसी साल सितंबर में संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने वाले हैं। संघ की लंबी यात्रा को रेखांकित करते हुए भागवत ने कहा कि देश ने संघ के स्वयंसेवकों का काम देखा है, इसके बाद उन्हें स्वीकार किया गया है।

पीएम मोदी ने भी संघ की जमकर सराहना की

भागवत से पहले पीएम मोदी ने भी भारत में संघ की भूमिका को रेखांकित किया। नागपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। आज भारत का युवा विश्वास से भरा हुआ है। राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत हमारे युवा आगे बढ़े चले जा रहे हैं। यही युवा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ध्वजा थामे हुए हैं।

गुलामी की मानसिकता को तोड़ कर आगे बढ़ रहा है भारत

गौरतलब है कि राजनीतिक जीवन की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री अपनी युवावस्था में खुद भी संघ के स्वयंसेवक रह चुके हैं। आज उन्होंने इस कार्यक्रम में संघ की अहमियत का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब प्रयासों के दौरान मैं नहीं हम का ध्यान होता है, जब राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि होती है, जब नीतियों में, निर्णयों में देश के लोगों का हित ही सबसे बड़ा होता है, तो सर्वत्र उसका प्रभाव भी नजर आता है। आज हम देख रहे हैं कि भारत कैसे गुलामी की मानसिकता को तोड़ कर आगे बढ़ रहा है।

पटरी से उतरीं कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस की 11 बोगियां, कई लोग मामूली रूप से घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के कटक जिले में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की 11 बोगियां पटरी से उतर गईं, जिसके परिणामस्वरूप सात लोग मामूली रूप से घायल हो गए। इन यात्रियों को बचा लिया गया है और उन्हें चिकित्सा के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है। रेलवे अधिकारी बाधित ट्रैक को बहाल करने और आगे की बाधाओं को कम करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। ओडिशा अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय रेलवे अधिकारियों के कर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और बचाव अभियान में सहायता कर रहे हैं। रेलवे ने बचाव प्रयासों में सहायता के लिए एक राहत ट्रेन भी तैनात की है।

मन की बात में बोले पीएम मोदी, हमारे त्योहार देश की विविधता में एकता को दर्शाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज और आगामी दिनों में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहार भारत की विविधता में व्याप्त एकता की भावना के सूचक हैं। मोदी ने लोगों से इस भावना को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने 'मन की बात' मासिक कार्यक्रम में कहा कि रविवार को विभिन्न राज्य अपना पारंपरिक नववर्ष मना रहे हैं और आगामी दिनों में कई अन्य राज्य भी इसे मनाएंगे।

मोदी ने कहा कि ईद सहित अन्य त्योहार भी मनाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों को इन त्योहारों की बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में कुछ ही सप्ताह बाद गर्मी की छुट्टियां भी शुरू होने वाली हैं और गर्मी के लंबे दिन छात्रों के लिए नए शौक विकसित करने एवं अपने कौशल को निखारने का समय होते हैं।

प्रधानमंत्री ने छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने वालों से 'माईहॉलिडेज' हैशटैग का उपयोग करने तथा छात्रों एवं अभिभावकों से ''हॉलिडेमेमोरीज'' हैशटैग के साथ अपने अनुभव साझा करने का आग्रह किया।

मोदी ने अपने संबोधन में विभिन्न तरीकों से जल संरक्षण कर 'कैच द रेन' अभियान को आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह के कदमों से पिछले सात से आठ साल में 11 अरब घन मीटर से अधिक पानी बचाया गया है। उन्होंने लोगों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि यह भारत की ओर से मानवता के लिए एक अमूल्य उपहार है।

मोदी ने कहा कि 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अब एक बड़ा उत्सव बन गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इस आयोजन का विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने से रोकने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने को नियंत्रित करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिका में पंजाब और हरियाणा सरकार को पराली जलाने पर नियंत्रण करने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा, 'इस अदालत ने पराली जलाने के मुद्दे पर कई आदेश पारित किए हैं और अभी भी मामले पर विचार किया जा रहा है, तो हम विभिन्न पक्षों को इस मामले में हस्तक्षेप और निर्देश के लिए आवेदन दायर करने की इजाजत नहीं देना चाहते हैं। इसलिए आवेदन खारिज किया जाता है।'

याचिका में क्या कहा गया

पर्यावरण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ ने यह याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि अप्रैल-मई में पराली जलाने से उत्पन्न प्रदूषण से न केवल दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, बल्कि उन राज्यों के लोगों के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचता है, जहां पराली जलाई जाती है। याचिका में दावा किया गया है कि बच्चे और बुजुर्ग इससे विशेष रूप से प्रभावित होते हैं। याचिका में ये भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय संकट बन गया है, जो देश में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन भी कर रहा है।

याचिका में तर्क दिया गया है कि 'इस न्यायालय द्वारा पूर्व में जारी किए गए अनेक निर्देशों के बावजूद, उनका सही से पालन नहीं हो रहा है। सरकारी एजेंसियां और हितधारक सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा करने के अपने कर्तव्य में विफल रहे हैं।'

नडीए में 'विनिंग कॉम्बिनेशन', ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा : चिराग पासवान

पटना, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बिहार के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस बीच एनडीए घटक दलों में शामिल लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए को गौर से देखें तो इसमें विनिंग कॉम्बिनेशन है। आने वाले चुनाव में यह गठबंधन ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव का वर्ष है। एनडीए के साथी समय-समय पर मिलकर एक-दूसरे को समझ रहे हैं। कुछ दिन पहले हमारी दिल्ली में मुलाकात हुई थी। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह गठबंधन मजबूती से आगे बढ़ रहा है, जबकि विपक्ष में वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। वे न चेहरा तय कर पा रहे हैं, न गठबंधन का स्वरूप तय कर पा रहे हैं। राजद और कांग्रेस में जिस तरह से दरारें देखने को मिल रही हैं, वह यह दर्शाता है कि एक तरफ विपक्ष बिखरा हुआ है, तो वहीं दूसरी तरफ मजबूत एनडीए है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि अमित शाह बिहार में मौजूद हैं। इस दौरान वे इस बात को समझेंगे कि जनता को इस गठबंधन से क्या आशाएं हैं। साथ ही गठबंधन के साथियों के साथ मुलाकात में यह भी विचार किया जाएगा कि हम और बेहतर कर सकें। इस दिशा में भी चर्चा होगी।

चारा घोटाले में गबन की गई राशि को वापस लिए जाने के बिहार सरकार के प्रयास पर उन्होंने कहा कि घोटाले की राशि वसूलना बिल्कुल सही है। ये जनता का पैसा है, वापस आना ही चाहिए। लुटे गए पैसे जनता के थे। विधानसभा चुनाव में एनडीए के चेहरे को लेकर उन्होंने कहा कि हमारा नेता कौन होगा, किसके चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे, हमारे लिए ये मुद्दा है ही नहीं।

मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश में लागू रहेगा अफस्पा, गृह मंत्रालय ने 6 महीने बढ़ाई अवधि

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने मणिपुर राज्य में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (AFSPA) को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है.

गृह मंत्रालय की ताजा अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर राज्य को 1 अप्रैल 2025 से छह महीने के लिए फिर से 'अशांत क्षेत्र' के रूप में घोषित किया गया है। हालांकि, 5 जिलों के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को इस आदेश से बाहर रखा गया है।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि मणिपुर के कुछ क्षेत्रों में अशांति और हिंसा की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। AFSPA के तहत सशस्त्र बलों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को

गिरफ्तार करने, तलाशी लेने और यदि जरूरत पड़े तो गोलियां चलाने का अधिकार है। इस राज्य में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने और शांति सुनिश्चित करने के लिए यह शक्तियां महत्वपूर्ण मानी जाती हैं, खासकर ऐसे वक्त में जब राज्य में अलग अलग उग्रवादी समूहों और अलगाववादी गतिविधियों का सामना किया जा रहा है। हालांकि, इस बार मणिपुर के कुछ विशेष क्षेत्र, जिनमें 13 पुलिस स्टेशन क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है, AFSPA से बाहर रखे गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि स्थिति में कुछ सुधार आया है और केंद्र सरकार उन क्षेत्रों में सुरक्षा स्थिति को सामान्य मान रही है।

नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में भी अफसपा का विस्तार

मणिपुर के अलावा, केंद्र सरकार ने नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी AFSPA का समय छह महीने बढ़ाया गया है। इन दोनों राज्यों में भी कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। नागालैंड के दीमापुर, निउलैंड और मोन जैसे जिलों में AFSPA लागू रहेगा, जबकि अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी यह नियम जारी रहेगा। इन राज्यों में उग्रवादी गतिविधियां और अलगाववाद की प्रवृत्तियों के कारण सशस्त्र बलों को अतिरिक्त शक्तियां दी जाती हैं।

क्या है अफसपा

अफस्पा (सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम) एक कानून है जो भारतीय सेना और अन्य सुरक्षा बलों को विशेष अधिकार देता है, ताकि वे उग्रवाद या आतंकवाद जैसे संकट वाले इलाकों में शांति और सुरक्षा बनाए रख सकें। इस कानून के तहत, सेना को संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार करने, उनकी जांच करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की शक्ति मिलती है, बिना किसी अदालत के आदेश के। हालांकि, यह कानून विवादास्पद भी है क्योंकि इससे सुरक्षा बलों को ज्यादा ताकत मिलती है, जिससे कुछ मामलों में मानवाधिकार उल्लंघन की आशंका रहती है।

चैत्र नवरात्रि शुरू : मां वैष्णो देवी की अटका आरती होती है बेहद खास

नई दिल्ली, एजेंसी। आज से चैत्र नवरात्रि शुरू हो गई है और माता वैष्णो देवी मंदिर सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। यहां हर साल लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए आते हैं। यहां होने वाली अटका आरती एक बेहद खास अनुष्ठान है, जिसे देखने और उसमें शामिल होने की इच्छा हर भक्त की होती है, लेकिन अटका आरती में शामिल होने के लिए पहले से ऑनलाइन बुकिंग कराना आवश्यक है। अगर आप भी माता वैष्णो देवी की अटका आरती में शामिल होना चाहते हैं, तो यहां हम आपको इसकी पूरी बुकिंग प्रक्रिया और इससे जुड़ी जरूरी जानकारी देंगे।

अटका आरती माता वैष्णो देवी के दरबार में होने वाली विशेष पूजा है, जो दिन में दो बार—सुबह और शाम को आयोजित की जाती है। इस आरती के दौरान मंदिर परिसर को पूरी तरह बंद कर दिया जाता है और केवल आरती बुकिंग कराने वाले श्रद्धालुओं को ही इसमें शामिल होने का अवसर मिलता है। आरती के दौरान वैदिक मंत्रों, भजनों और शंख-घंटियों की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। मान्यता है कि इस आरती में शामिल होने से माता की विशेष कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। वैष्णो देवी अटका आरती में शामिल होने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग कराई जाती है। बुकिंग की प्रक्रिया बेहद आसान है।

सबसे पहले आप श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटमांवैष्णोदेवीडॉटओआरजी पर जाएं। यहां अपना अकाउंट बनाएं या लॉगिन करें। अगर आपका पहले से अकाउंट है, तो यूजर आईडी और पासवर्ड के जरिए लॉगिन करें। अगर नया अकाउंट बनाना है, तो रजिस्ट्रेशन करें और अपनी डिटेल्स भरें। इसके बाद अटका आरती बुकिंग सेक्शन पर जाएं, फिर वेबसाइट के ऑनलाइन सर्विसेज सेक्शन में जाएं। यहां अटका आरती बुकिंग के विकल्प पर क्लिक करें।

इसके बाद आप आरती की तारीख चुनें। आपके सामने एक कैलेंडर खुलेगा, जिसमें उपलब्ध तारीखें दिखाई देंगी। अपनी सुविधानुसार मनचाही तारीख का चयन करें। फिर श्रद्धालुओं की संख्या दर्ज करें।

राष्ट्रभक्ति और महापुरुषों का सम्मान ही हमारे लिए सर्वोपरि है: युवा मोर्चा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। भाजयुमो जिला अध्यक्ष और युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने आचार्य शांतनु महराज और पूर्व मंत्री डॉ महेन्द्र सिंह को मातृभूमि की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले और सूर्य के समान प्रतापी राजा राणा सांगा के चित्र एवं त्रिशूल भेंट किया। भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज को बताया कि राष्ट्रभक्ति और महापुरुषों का सम्मान ही हमारे लिए सर्वोपरि है। कुशभवनपुर की जनता के सामने आचार्य शांतनु महाराज ने हुंकार भरते हुए कहा कि इस मातृभूमि की रक्षा हेतु सर्वश्व समर्पित करने वाले महापुरुषों के बारे में अनुचित टिप्पणी करने वालों को यह राष्ट्र कभी माफ नहीं करेगा और हमारे महापुरुषों पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले विधर्मियों को अब हम सबको सबक सिखाने की जरुरत है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉक्टर महेन्द्र सिंह ने भारतीय काल गणना, नव वर्ष के महत्व और नव वर्ष पर होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों के विषय में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रीती प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आरएसएस के विभाग प्रचारक श्री प्रकाश, जिला प्रचारक आशीष, विभाग संघ चालक डॉ ए के सिंह, जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप, नगर पालिका चेयरमैन, युवा मोर्चा से सुधांशु, अतुल, शौर्यवर्धन, शानू, दीपक आयुष, हिमांशु आदि उपस्थित रहे।

पाल समाज ने खेली इको-फ्रेंडली होली'

जौनपुर। रामराज पाल मेमोरियल अस्पताल के प्रांगण मे किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजमाता अहिल्यादेवी होल्कर जी को पुष्प हार अर्पित कर किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राम अभिलाख पाल रहे उन्होने अपने संबोधन मे कहा कि यदि हमारे पास संस्कार है तो हम जीवन मे सब कुछ प्राप्त कर सकते है और यदि अहंकार है तो सब कुछ गवा देगे। विशिष्ट अतिथि गण के रूप मे त्रिलोचन महादेव स्थित पाल धर्म शाला के अध्यक्ष श्री अर्जुन पाल ने अपने संबोधन मे समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती कमला पाल जी ने कमेटी के आह्वान पर फगुआ गीत गा कर माहौल को होलिमय कर दिया। विशिष्ट अतिथि डा0 देवराज सिंह पाल (प्रोफेसर फिजिक्स एव कोआर्डिनेटर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्व विधालय)ने अपने संबोधन मे बच्चो को शिक्षा व संस्कार देने की जरूरत के महत्वपूर्ण बिदुओ पर अपने विचार रखे।

भावना फीकी ना होती तों किसकी हिम्मत जो महापुरुषों पर उठाता प्रश्न चिन्ह : शान्तनु जी महाराज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। हिंदू नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नगर के ठठेरी बाजार में 13 वा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश प्रदेश के प्रख्यात कवियों ने अपनी हास्य, ओजस्व व राष्ट्र के नाम कविताओं को संबोधन कर श्रोतागण को मोहित कर दिया। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ महेंद्र सिंह व मुख्य वक्ता प्रख्यात कथा वाचक शान्तनु जी महाराज ने हिंदू नव वर्ष धूमधाम से मानने को लेकर जागृति किए।

भारतीय नव वर्ष समिति के तत्वाधान में नगर के ठठेरी बाजार में बीते शनिवार की शाम 13 वा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे पूर्व मंत्री डॉ महेंद्र सिंह का जिला संगठन कमिश्नर कांति सिंह के नेतृत्व में स्काउट के बच्चों ने कलर पार्टी के साथ मुख्य अतिथि का स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ महेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष, कार्यक्रम के आयोजक द्वारा मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान संबोधित करते हुए प्रख्यात कथा वाचक शान्तनु जी महाराज ने कहा कि हमारी भारत की जो हिंदू परंपरा है वह शिर पुरातन नित्य नूतन परंपरा है, जिसके लिए हम पूरी दुनिया में जाने जाते हैं।

रजिया निकली दगाबाज! इंस्टाग्राम पर फ्रेंडशिप कर ठगे 10 लाख रुपये, पकड़ी गई तो बोली...

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती कर हनीट्रैप में फंसाकर लोगों से लाखों रुपये वसूलने वाले एक गिरोह का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने गैंग की एक और महिला सदस्य मुन्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।इससे पहले पुलिस इस गिरोह की मुख्य सरगना माधुरी समेत कई सदस्यों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी महिला ने थाने में पुलिस समाने कहा गलती हो गई साहब माफ कर दो।

गिरोह की एक सदस्य रजिया अली ने इंस्टाग्राम पर एक गुड़ व्यापारी से दोस्ती कर उसे अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद फिर उसे बदनाम करने की धमकी देकर 10 लाख रुपये ऐंठ लिए। ऐसे में जब पीड़ित ने अपनी पत्नी को इस ठगी के बारे में बताया तो उसने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच कर रजिया अली को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पहले ही भेज चुकी है कई आरोपी जेल

इस मामले में पुलिस ने पहले ही गैंग की मुख्य सरगना माधुरी पाल, उसकी साथी शीतल उर्फ रीना, मधु भारती और सत्यवीर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था ।जांच के दौरान पता चला कि किला छावनी निवासी मुन्नी भी इस गिरोह का सक्रिय सदस्य थी। वह लगातार पुलिस की नजरों से बचकर भाग रही थी, लेकिन पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर की मदद से उसे आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मुन्नी ने खुलासा किया कि गैंग की मुखिया माधुरी है। वहीं इस गिरोह को चलाती थी और पुरुषों को जाल में फंसाने के तरीके सिखाती थी। रीना उर्फ शीतल और सत्यवीर के बहकावे में आकर मुन्नी भी इस गिरोह में शामिल हो गई थी। वह पहले पीलीभीत के एक युवक को अपने जाल में फंसाकर ठग चुकी थी, जिसके चलते उसे सत्यवीर के साथ जेल जाना पड़ा था।

दोबारा शुरू कर दिया हनीट्रैप का धंधा

जेल से छूटने के बाद मुन्नी ने फिर से हनीट्रैप का काम शुरू कर दिया। बारादरी थाने में नाम सामने आने के बाद वह दिल्ली में छिपकर रह रही थी, लेकिन पुलिस ने उसे खोज निकाला और गिरफ्तार कर लिया। अब कोर्ट के आदेश के बाद मुन्नी को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने इस गिरोह के पकड़े जाने के बाद लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती करने से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा गया है। बरेली में इस तरह के गिरोहों पर पुलिस कड़ी नजर बनाए हुए है ताकि कोई और मासूम इनके जाल में न फंसे।

नवाबगंज निवासी युवक को बनाया शिकार

नवाबगंज निवासी एक युवक ने एक अन्य मामले में बारादरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि शीतल नाम की एक युवती ने उसे संजय नगर स्थित एक मकान में बुलाया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद उसका अश्लील वीडियो बना लिया और सोने के जेवर व नकदी छीन ली। गिरोह ने युवक को बदनाम करने की धमकी देकर उससे पांच लाख रुपये की मांग की।

गोमती मित्रों ने करके साफ सफाई, दी नव वर्ष की सबको बधाई

सुलतानपुर। लगभग पूरा प्रदेश जानता है कि सुल्तानपुर के गोमती मित्र मंडल संगठन का मुख्य कार्य स्वच्छता और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है और इस कार्य के लिए गोमती मित्र वर्ष भर समर्पण की भावना से कार्य करते हैं। कहा जाता है कि वर्ष के पहले दिन जिस कार्य को आप समर्पण के साथ कीजिए उस कार्य में उस वर्ष सफलता जरूर प्राप्त होती है, इसीलिए 30 मार्च को पड़ने वाला साप्ताहिक श्रमदान जब नव वर्ष के पहले दिन पड़ा तो श्रमदान में उपस्थित सभी लोगों को 12 वर्षों से जारी तपस्या की सफलता 2025 में प्राप्त होने की पूरी पूरी संभावना दिखने लगी, सभी उत्साहित थे। प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने प्रदेश वासियों को नव वर्ष की बधाई देते हुए विशेष निवेदन किया की स्वयं में और अपने आसपास के लोगों में स्वच्छता की भावना जरूर जागृत करें क्योंकि अगर हम स्वच्छ हैं तो निश्चित जानिए की स्वस्थ है।

रामजी लाल सुमन की हत्या करने पर 25 लाख का इनाम, हिंदूवादी नेता की धमकी, सांगा पर बयान देकर मुश्किल में सपा MP

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राणा सांगा पर बयान देकर विवादों में घिरे राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन अब एक नई मुश्किल से घिरते नजर आ रहे हैं। अब एक हिंदूवादी नेता मोहन चौहान ने उनकी हत्या की सुपारी दे दी है। बल्कि उन्होंने खुद सांसद रामजी लाल सुमन को गोली मारने की धमकी दी है। कहा कि यदि उनसे पहले कोई उनकी हत्या करता है तो वह उसे 25 लाख रुपये का इनाम देंगे। मोहन चौहान ने अपनी धमकी का वीडियो जारी किया है। यह वीडियो इस समय सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

मोहन चौहान हिंदूवादी नेता होने के साथ ही राष्ट्रीय स्वर्णपरिषद के प्रदेश अध्यक्ष हैं। अपने वीडियो में उन्होंने रामजी लाल सुमन को सीधे-सीधे धमकाते हुए कहा कि 'तूं जहां मिलेगा, वहीं गोली मारुंगा'। हाथरस में जवां थाना क्षेत्र के कोटा बहादुरपुर गांव में रहने वाले मोहन चौहान ने

कहा कि समाजवादी पार्टी के गुंडे और माफिया छिप कर बैठे हैं। वहीं करणी सेना के कार्यकर्ताओं को लाठियां खानी पड़ी हैं। इसका उन्हें दुख है। लेकिन अब बहुत हो गया।

मोहन चौहान ने जारी किया धमकी भरा वीडियो

उन्होंने सांसद रामजी लाल सुमन को ललकारते हुए कहा कि मैं खुद उन्हें गोली मारेंगे। इस बीच यदि कोई उनका साथ दे या फिर खुद जाकर सुमन की हत्या कर दे तो वह अपने संगठन की ओर से 25 लाख रुपये का इनाम देंगे। एक अन्य वीडियो में मोहन चौहान कहते नजर आ रहे हैं कि महाराणा सांगा महान वीर थे। शरीर पर 80 घावों के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ी। ऐसे में उनका अपमान वह किसी हाल में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसी के साथ उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति देश के स्वर्णिम इतिहास के साथ छेड़छाड़ करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

सांसद ने सदन में दिया था विवादित बयान

बता दें कि समाजवादी पार्टी के राज्य सभा सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को सदन में विवादित बयान दिया था। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'मुसलमानों में बाबर का डीएनए है' बताना इनका तकिया कलाम हो गया है। लेकिन ये नहीं बताते कि हिंदुओं में किसका डीएनए है। उन्होंने सदन में पूछा कि बाबर को कौन लाया? खुद ही इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि इब्राहिम लोदी को हराने के लिए सांगा ने ही बाबर को बुलाया था। इसी के साथ उन्होंने राणा सांगा को गद्दार बताया था।

यूपी के इस जिले में 55 करोड़ की लागत से बाईपास का होगा निर्माण, किसानों की भूमि अधिग्रहण करेगी सरकार

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। सबकुछ ठीक-ठाक रहा तो जल्द ही छोटे से लेकर बड़े वाहन भटौली-बरैनी पुल पर जाने के लिए दो लेन की सड़क से फर्राटा भरते हुए दिखाई देंगे। इसके लिए आमघाट से भटौली के लिए दो लेन की सड़क बनाई जाएगी। शासन ने सड़क बनाने के लिए करीब 55 करोड़ 90 लाख 19 हजार रुपये का बजट जारी कर दिया है।

जिले के भटौली में गंगा पुल पर बनाए गए भटौली-बरैनी पुल पर बड़े वाहनों के आने जाने के लिए कोई चौड़ा मार्ग नहीं होने के कारण इस पुल से बड़े वाहन नहीं जा पा रहे है। ऐसे में बड़े वाहनों को मीरजापुर-वाराणसी मार्ग से होकर जाना पड़ रहा है। इस दौरान उनको कई टोल से गुजरने पड़ता है। साथ ही दूरी भी अधिक तय करनी पड़ रही है। इसको देखते हुए लोक निर्माण विभाग की ओर से भटौली-बरैनी बाईपास मार्ग बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन में भेजा गया था। जिसपर सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

लगभग 55 करोड़ 90 लाख 19 हजार रुपये से भटौली-बरैनी आमघाट मार्ग को दो लेन बनाया जाएगा। इसमें 30 करोड़ रुपये किसानों से उनकी भूमि अधिग्रहण करने के दौरान मुआवजे के रूप में उनको दी जाएगी। वहीं 25 करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण किया जाएगा। जिसकी लंबाई 9.08 किलोमीटर होगी।

वहीं इसकी चौड़ाई सात मीटर रहेगी। यह मार्ग भटौली से होकर जौसरा, अर्जुनपुर, राजपुर होते हुए आमघाट रेलवे क्रासिंग के पास निकलेगी। जिसको एनएच 35 मीरजापुर-वाराणसी नेशनल हाइवे से देवापुर गांव के पास से जोड़ा जाएगा।

इस सड़क के निर्माण से किसको मिलेगा लाभ

भटौली-आमघाट रोड के निर्माण होने से छोटे से लेकर बड़े वाहन चालकों को लाभ मिलेगा। अभी तक बड़े वाहन भटौली-बरैनी पुल पर जाने के लिए बाईपास रोड नहीं होने के कारण शास्त्री सेतु या फिर मीरजापुर-वाराणसी मार्ग से होते हुए जा रहे हैं। इस सड़क के निर्माण होने से बड़े वाहनों के भटौली गंगा पुल से आने जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। इससे दो फायदे होंगे एक तो उनकी दूरी कम होती वहीं समय की बचत भी होगी।

मीरजापुर, लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड, जर्नादन यादव ने बताया

भटौली से आमघाट तक दो लेन सड़क बनाई जाएगी। इसके लिए शासन की ओर से करीब 56 करोड़ रुपये जारी कर दिया गया है। इसमें लगभग 30 करोड़ रुपये किसानों का मुआवजा भी शामिल है। बजट मिलने पर सड़क बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

छात्र शिवम सोनकर के समर्थन में उतरे समाजवादी: काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

बस्ती। रविवार को वाराणसी के बीएचयू में कुलपति आवास के सामने पिछले 10 दिनों से धरना दे रहे छात्र शिवम सोनकर के समर्थन में समाजवादियों ने पार्टी नेता अरविन्द सोनकर के साथ कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब प्रतिमा के निमट काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।

सपा नेता अरविन्द सोनकर ने कहा कि बीएचयू के मालवीय सेंटर फॉर पीस रिसर्च में प्रवेश में अनियमितता का आरोप लगाते हुए छात्र शिवम सोनकर धरने पर बैठा है। उसका कहना है कि सामान्य वर्ग में दूसरा स्थान आने पर भी उसे प्रवेश नहीं दिया जा रहा। कहा कि शिवम जैसे मेधावी छात्रों की आवाज दबाई जा रही है, जबकि यह प्रशासन का कर्तव्य है कि वह छात्रों से संवाद करें और उनकी समस्याओं का समाधान निकालें। कहा कि बीएचयू प्रशासन शिवम सोनकर की समस्याओं का समाधान कराये।

पति को छोड़ बॉयफ्रेंड से कर ली शादी, सुहागरात पर दुल्हन को खटकी एक बात, ससुराल पहुंची तो...

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक महिला ने पति को धोखा दिया तो खुद ही वो धोखे का शिकार हो गई। मामला बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र का है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के कहने पर पति से तलाक ले लिया, लेकिन बाद में वही प्रेमी लालच में अंधा होकर उसे प्रताड़ित करने लगा। जब महिला ने उसकी नाजायज मांगों को ठुकरा दिया तो उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने इस मामले में महिला के पति समेत सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बरेली के गांव पुरनापुर निवासी संगीता की शादी 2021 में इज्जतनगर के छोटी विहार निवासी धर्मपाल से हुई थी। शादी के बाद, गांव के ही एक युवक रंजीत ने संगीता से नजदीकियां बढ़ानी शुरू कर दीं। वह उसे बार-बार फोन कर बात करता और यह विश्वास दिलाता कि वह उससे शादी

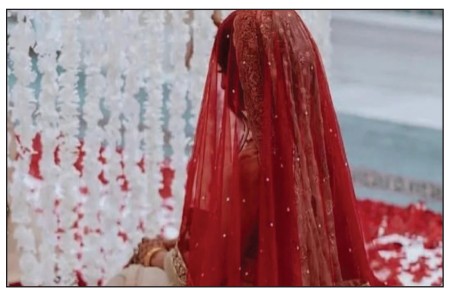

करेगा। रंजीत की बातों में आकर संगीता ने अपने पति धर्मपाल से तलाक ले लिया।तलाक के बाद रंजीत संगीता को अपने साथ ले गया और किराए का कमरा लेकर उसके साथ रहने लगा। इस दौरान दोनों पति-पत्नी की तरह तीन साल तक साथ रहे। संगीता को यकीन था कि रंजीत उसे अपनी पत्नी के रूप में अपनाएगा और अपने घर ले जाएगा।

तीन साल बाद शादी, लेकिन घर नहीं ले गया

तीन साल तक साथ रहने के बाद रंजीत ने आखिरकार संगीता से शादी कर ली। हालांकि, शादी के बावजूद वो उसे अपने घर नहीं ले जा रहा था। यह बाद संगीता को खटकने लगी। जब उसने अपनी ससुराल जाने की जिद की तो रंजीत उसे अपने घर लेकर गया। आरोप है कि वहां उसके साथ अच्छा सलूक नहीं किया गया।

ससुराल वालों ने मांगे पांच लाख रुपये

जब संगीता रंजीत के घर पहुंची, तो वहां उसकी सास विमला देवी, ननद नीलम और प्रेम लता, नंदोई लोकेश, चचिया ससुर राजेश और जेठ बबलू पहले से मौजूद थे। उन्होंने संगीता से पांच लाख रुपये लाने की मांग की। संगीता इस मांग से हैरान रह गई और उसने इसका विरोध किया। जब उसने कहा कि उसके पास इतने पैसे नहीं हैं, तो ससुराल वालों ने उसके साथ बदसलूकी शुरू कर दी। उन्होंने उसे धक्का देकर घर से निकाल दिया और जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस में शिकायत, सात पर केस दर्ज

अपनी ससुराल से निकाले जाने के बाद संगीता ने हिम्मत जुटाकर बिथरी चैनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पति रंजीत, सास, ननद, नंदोई, चचिया ससुर, जेठ और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं। पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने के लगातार दबिश दे रही है।

माता के इस मंदिर में चढ़ाए जाते थे अंग्रेजों के कटे सिर, बाबू बंधू सिंह से जुड़ी है कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर सिटी से 15-17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तरकुलहा देवी मंदिर एक प्रसिद्ध मंदिर है। यहां पर दूर दराज से लोग मां तरकुलहा का दर्शन करने के लिए आते हैं। चैत्र नवरात्र में यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु मां का दर्शन करने के लिए आते हैं। तरकुलहा देवी मंदिर का इतिहास बाबू बंधू सिंह नामक स्वतंत्रता सेनानी से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि बाबू बंधू सिंह ने यहां तरकुल के पेड़ के नीचे पिंड स्थापित कर देवी की उपासना की थी।

बाबू बंधू सिंह का भारत के स्वतंत्रता में काफी सहयोग रहा है। अंग्रेजों के खिलाफ उन्होंने गोरिल्ला युद्ध में भाग लिया था। डुमरी रियासत के बाबू बंधू सिंह तरकुलहा देवी को अपनी इष्ट देवी मानते थे।

वह गोरिल्ला युद्ध में काफी माहिर थे। उन्होंने इस युद्ध से अंग्रेजों को नाकों चने चबवा दिया था।

सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से पहले इस इलाके में जंगल हुआ करता था। यहां से गर्रा नदी होकर गुजरती थी। और यहीं नदी तट पर तरकुलक पेड़ के नीचे बाबू बंधू सिंह पिंडी स्थापित कर देवी की उपासना किया करते थे। जब भी कोई अंग्रेज उस जंगल से गुजरता तो बाबू बंधू सिंह उसे मार कर उसका सिर देवी मां के चरणों में समर्पित कर देते थे। पहले अंग्रेजों को यह लगा कि उनके सिपाही जंगल में जाकर लापता हो जाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें यह जानकारी हो गई कि उनके सिपाही बंधू सिंह का शिकार हो रहे हैं। इसके बाद अंग्रेज उनकी तलाश शुरू कर दी, लेकिन वो अंग्रेजों के हाथ नहीं लगे। बाद में एक व्यापारी के मुखबिरी से वह उनके हाथ लग गए।

सातवीं बार मिली फांसी

अंग्रेज सरकार ने बंधू सिंह को फांसी की सजा दी। बंधू सिंह को छह बार अंग्रेजों ने फांसी दी और वह कामयाब नहीं हुए सातवीं बार बंधू सिंह को अलीपुर चौराहे पर सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई। बताया जाता है कि सातवीं बार उन्होंने मां का ध्यान करते हुए उन्हें फांसी हो जाने का आग्रह किया। इसके बाद उन्हें फांसी हुई। यह भी माना जाता हैं कि जब बाबू बंधू सिंह को अंग्रेजों ने फांसी दी तो तरकुल के पेड़ का ऊपरी हिस्सा टूट गया और खून के फव्वारे निकलने लगे। इस घटना के बाद, स्थानीय लोगों ने उस स्थान पर देवी मां की पूजा करनी शुरू कर दी और बाद में मंदिर का निर्माण करवाया।

चैत्र रामनवमी का मेला लगता है

चैत्र रामनवमी से एक माह का मेला तरकुलहा माता मंदिर पर लगता है। दूर दराज से लोग यहां मां का दर्शन करने आते हैं। मंदिर में श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसके लिए मंदिर समिति द्वारा विशेष व्यवस्था की जाती है। प्रशासन द्वारा पुलिस की यहां अच्छी व्यवस्था की जाती है, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन करने में कोई परेशानी न हो। मंदिर के पुजारी ने बताया कि मां तरकुलहा माता की मान्यता तरकुल के पेड़ से है। यहां काफी दूर दराज से लोग आते हैं। श्रद्धालु यहां फल फूल नारियल चढ़ाते हैं। इससे खुश होकर मां उनकी सारी मुरादें पूरी करती हैं।

बोरे में मिली महिला की लाश, हाईवे से 150 मीटर अंदर जंगल में पड़ी थी ; पुलिस कर रही जांच

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में रविवार को बोरे में भरी महिला की लाश मिली। लोगों ने देखा तो आसपास के अन्य लोगों को सूचना दी। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के सेतराम के पास की है। यहां हाईवे से करीब 150 मीटर अंदर बोरे में भरी एक लाश पड़ी थी। सुबह करीब 7 बजे लोगों ने देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। बोरा खोलकर देखा तो महिला की लाश थी। पुलिस लाश की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके लिए सभी थानों को जानकारी दी गई है। आसपास के जिलों में सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा है। अंदेशा जताया जा रहा है कि किसी दूसरे क्षेत्र में हत्या के बाद लाश यहां फेंकी गई है।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, कहा— आर्थिक संकट में फंसा देश, कारोबारियों के सामने खड़ी की गईं मुश्किलें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नव्व अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश आर्थिक संकट में फंस गया है। कारोबारियों के लिए व्यापार करना कठिन होता जा रहा है और सरकार ने उनके सामने तमाम समस्याएं खड़ी कर दी हैं। उन्होंने यह बातें लखनऊ के होटल ताज में तपस्या फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित छोटे कारोबारियों एवं उद्यमियों के कार्यक्रम में कहीं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों ने बैंकिंग सेक्टर को बुरी तरह प्रभावित किया है। बैंकों को आपस में विलय करने की नौबत आ गई है और 'ईज ऑफ

डूइंग बिजनेस' केवल नाम का रह गया है। पूरा व्यापार जीएसटी और टीडीएस की उलझनों में फंसा हुआ है, जबकि 'मेक इन इंडिया' का कोई असर दिखाई नहीं देता। चीन का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है और सरकार ने बाजार बाहरी ताकतों के हवाले कर दिया है।अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार में केवल कुछ गिने-चुने कारोबारियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जबकि बाकी व्यापारियों को संघर्ष करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन सरकार इसे छिपाने के लिए झूठे आंकड़े पेश कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दावा कर रही है, तो 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर निर्भर क्यों हैं?उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हो चुकी हैं। देश में बेरोजगारी की स्थिति पहले कभी इतनी भयावह नहीं थी। युवा नौकरी और रोजगार के लिए भटक रहे हैं, जबकि महिलाओं को व्यापार और उद्योग में आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर नहीं दिए जा रहे। एमएसएमई सेक्टर के विकास की जरूरत है, लेकिन यहां भी सरकार की उदासीनता साफ दिख रही है।समाजवादी पार्टी के कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने हमेशा व्यापार को सरल और सुगम बनाने के प्रयास किए। नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने मुख्यमंत्री रहते हुए चुंगी और 3/7 को खत्म किया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर समाजवादी पार्टी सत्ता में आती है तो व्यापारियों और उद्योगपतियों को सुविधाएं दी जाएंगी, महिलाओं को व्यापार में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे और उन्हें सुरक्षा तथा सम्मान मिलेगा।भाजपा सरकार के विकास के दावों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया गया, जिसके किनारे किसानों के लिए मंडियां बनाई गईं। इस एक्सप्रेस-वे पर सेना के लड़ाकू विमानों की लैंडिंग के लिए हवाई पट्टी भी तैयार की गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 17 एक्सप्रेस-वे बनाने का दावा किया, लेकिन हकीकत यह है कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे भ्रष्टाचार का शिकार हो गया और उद्घाटन के तुरंत बाद धंस गया।प्रदेश में निवेश को लेकर भी अखिलेश यादव ने सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया है, लेकिन जमीन पर कोई भी नया उद्योग या फैक्ट्री नजर नहीं आ रही। सरकार ने कहा था कि प्रदेश में मिसाइल और टैंक बनाने का कारखाना लगेगा, लेकिन आठ साल बीतने के बाद अब तक यहां एक सुतली बम तक नहीं बना।उन्होंने बिजली संकट पर भी सरकार को घेरा और कहा कि भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में एक भी यूनिट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन नहीं किया। बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और अब इसे निजी हाथों में बेचने की तैयारी की जा रही है।कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने देश के भविष्य को लेकर चिंता जताई और जनता से 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का ₹पीडीए₹ एक सकारात्मक विचारधारा है, जबकि भाजपा का ₹एनडीए₹ नकारात्मक राजनीति कर रहा है।इस मौके पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नव्व शिवपाल सिंह यादव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान कारोबार और व्यापार को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम, औद्योगिक भूमि और अधोसंरचना सहायता, सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाएं, बिजली आपूर्ति और श्रम कानून सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।कार्यक्रम में तपस्या फाउंडेशन ट्रस्ट की संस्थापक पूजा खिलवानी, मार्गदर्शक पं. सुनील कुमार वशिष्ठ, संरक्षक नव्व नितिन कोहली और शम्मी बोहरा समेत अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री नव्व राजेंद्र चौधरी, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह और महासचिव मीनाक्षी अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कारोबारी उपस्थित रहे।

गुरु गोबिंद सिंह का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री नव्व केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह का जीवन दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है जितना कि उनके समय में था। उन्होंने समाज को न केवल संगठित किया बल्कि सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग को प्रशस्त किया। हमें उनके आदर्शों का अनुसरण और अनुकरण करने के साथ ही उन्हें आत्मसात करने की आवश्यकता है। गुरु गोबिंद सिंह ने अपने जीवन में राष्ट्र की सेवा और सामाजिक समरसता को सर्वोपरि रखा और यही कारण है कि आज भी वे देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।रविवार को राजधानी लखनऊ में 7-कालिदास मार्ग स्थित उप मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय में गुरु गोबिंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उप मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब से प्रत्येक वर्ष 30 मार्च को गुरु गोबिंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाएगा, जो समाज में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, मानवाधिकारों की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और समाज की सेवा प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है और इसके प्रति समर्पण भाव हर व्यक्ति में झलकना चाहिए।समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री ने लखनऊ की सुश्री कीर्ति सिंह, सरदार परविंदर सिंह और अंबेडकरनगर के धर्मवीर सिंह बग्गा को प्रशस्ति पत्र और एक-एक लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया। इन विभूतियों ने समाज में उल्लेखनीय योगदान दिया है और अपने कार्यों से समाज को एक नई दिशा दी है। लखनऊ के सरदार परविंदर सिंह को गरीब और शोषित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने और अल्पसंख्यक समुदायों में सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया। अंबेडकरनगर के धर्मवीर सिंह बग्गा ने 20 वर्षों में 1000 से अधिक कन्यादान किए, लावारिस कोविड मृतकों का अंतिम संस्कार किया, निःशुल्क सैनिटाइजर और मास्क का वितरण किया तथा नियमित लंगर सेवा के साथ कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया। लखनऊ की सुश्री कीर्ति सिंह को निःशुल्क रक्तदान, चिकित्सा शिविरों का आयोजन, पर्यावरण संरक्षण, विधिक परामर्श शिविरों के माध्यम से मानवाधिकारों की रक्षा और साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने गुरु गोबिंद सिंह के जीवन और उनके बलिदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे केवल सिख समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

ईद-उल-फितर के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए लखनऊ पुलिस सतर्क, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट ने ईद-उल-फितर के अवसर पर नमाज के सकुशल आयोजन और सुगम यातायात एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं।

चंद्र दर्शन के अनुसार, 31 मार्च 2025 (सोमवार) को ईद-उल-फितर का पर्व मनाया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग नमाज अदा करेंगे। लखनऊ में सुन्नी समुदाय के लोग मुख्य रूप से ऐशबाग स्थित ईदगाह और टीले वाली मस्जिद (चौक) में नमाज अदा करेंगे, जबकि शिया समुदाय के लोग आसिफी मस्जिद (बड़ा इमामबाड़ा) और ठाकुरगंज स्थित जामा मस्जिद में नमाज अदा करेंगे। इन प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।नमाज के सुचारू आयोजन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए 1300 अराजपत्रित और 12 राजपत्रित अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

चित्रकूट में 11 करोड़ से बनेगा ईको टूरिज्म पार्क, ईको लॉज... हट व एम्फीथिएटर के साथ फूड कोर्ट भी होगा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। रामायण सर्किट का महत्वपूर्ण स्थल चित्रकूट, जल्द ही धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। यूपी ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड रानीपुर टाइगर रिजर्व के निकट ईको टूरिज्म थीम पार्क का निर्माण करेगा। सात एकड़ में बनने वाले इस पार्क के लिए 11.77 करोड़ रुपये स्वीकृत कर पांच करोड़ जारी भी कर दिए गए हैं।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एक विशेष थीम पार्क विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाना और ईको-फ्रेंडली पर्यटन को बढ़ावा देना है। इससे क्षेत्र की जैव विविधता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने बताया कि पार्क में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ईको लॉज बनाया जाएगा। पौधे का विशेष बगीचा

तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय और प्रसिद्ध व्यंजनों के लिए विशेष फूड कोर्ट, ईको हट भी बनेंगे। पार्क की जैव विविधता को संरक्षित और समृद्ध करने के लिए सुंदर जलाशय होगा। पर्यटकों के लिए हरियाली से युक्त केंद्रीय लॉन होगा। बच्चों के लिए प्ले एरिया भी बनाया जाएगा।

पार्क में तितली उद्यान भी बनेगा

उन्होंने बताया कि इस पार्क में नेचर ट्रेल, बांस उद्यान और पैदल भ्रमण के लिए विशेष ट्रैक तैयार किया जाएगा। सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक एंफीथिएटर बनाया जाएगा। पार्क का प्रमुख आकर्षण रॉक गार्डन होगा, जो प्राकृतिक चट्टानों से निर्मित अनोखा उद्यान होगा। पर्यटकों के लिए तितली उद्यान विशेष आकर्षण होगा। जहां विभिन्न प्रजातियों की तितलियों को आकर्षित करने के लिए विशेष क्षेत्र विकसित किया जाएगा। यह पार्क चित्रकूट आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

सांसद संजय सिंह का योगी सरकार पर हमला, शराब बिक्री और धार्मिक पाबंदियों को लेकर उठाए सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में शराब की दुकानों पर एक बोतल खरीदने पर एक बोतल मुफ्त देने की योजना से समाज में नशे को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के विरोध में आम आदमी पार्टी ने प्रदेश के 70 जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रदेश में मुसलमानों को नमाज पढ़ने से रोका जा रहा है, तो दूसरी ओर सरकार 'सौगात-ए-मोदी' के नाम पर शराब बांट रही है। यह भाजपा की दोहरी राजनीति को दर्शाता है।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के आदेश को

लेकर भी संजय सिंह ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार धार्मिक स्थलों के पास मांस की बिक्री पर रोक लगा रही है तो इसी तर्क के आधार पर मंदिरों के आसपास शराब की दुकानों और उन रेस्टोरेंट को भी बंद किया जाना चाहिए जहां मांस बेचा जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का यह आदेश धार्मिक ध्रुवीकरण का एक प्रयास है और इसका वास्तविक उद्देश्य कुछ खास समुदायों को टारगेट करना है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी संजय सिंह ने तीखी टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि आरएसएस के 100 साल के इतिहास में कभी कोई दलित, पिछड़ा या आदिवासी व्यक्ति इसका प्रमुख नहीं बना। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आजादी के बाद 52 वर्षों तक आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा क्यों नहीं फहराया गया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के हालिया बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को आरएसएस की जरूरत नहीं है तो फिर लोकसभा चुनाव में सीटें घटने के बाद नरेंद्र मोदी संघ कार्यालय क्यों गए? उन्होंने दावा किया कि आरएसएस हमेशा से सीमित जातियों और एक खास विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता रहा है और इसके नेताओं ने आज़ादी की लड़ाई में अंग्रेजों का समर्थन किया था।देश की विविधता को भारत की ताकत बताते हुए संजय सिंह ने कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, फारसी सहित सभी समुदायों से मिलकर भारत बनता है। अगर किसी एक समुदाय को कमजोर किया जाएगा तो देश मजबूत नहीं हो सकता। उन्होंने भाजपा पर इतिहास से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर सरकार ऐतिहासिक धरोहरों को मिटाने पर आमादा है तो क्या वह जीटी रोड, ताजमहल और लाल किला भी तोड़ देगी, जिन्हें मुस्लिम शासकों ने बनवाया था?मोदी सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव को लेकर भी संजय सिंह ने सरकार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर यह बिल लाया गया तो भाजपा को अपने सहयोगी दलों के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

विवाद कर रहे दो लोगो को पुलिस ने भेजा जेल

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने रविवार को विवाद कर रहे दो लोगो को शांति भंग के आरोप के जेल भेज दिया।

पुलिस ने मुताबिक सेक्टर सी-8 के पास कुछ व्यक्ति झगडा कर रहे थे जिसकीं सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस के सामने ठेकेदार महेश चन्द्र यादव शिवनगरी, तकरोही थाना इंदिरानगर लखनऊ मकान मालिक नन्दलाल गुप्ता पुत्र गौरीशंकर निवासी गाव सरिया बुजुर्ग थाना कठेरवा जिला कुशीनगर आपस में मकान में हुए निर्माण कार्य में लगी सटरिंग के भुगतान की बात को लेकर वाद विवाद कर रहे है। पुलिस टीम द्वारा दोनों को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया तो दोनों व्यक्ति पुलिस टीम की एक भी बात न मानकर और तेज तेज आवाज में बोलने लगे। जिस पर पुलिस ने दोनो पक्षो पर शांति भंग की कार्यवाईं करते हुए चालान भेज दिया।

यूपी के कई इलाकों में आज रहेगा बिजली संकट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोमती नगर के विभूति खंड बिजली उपकेंद्र से संबंधित पूर्वांचल, विनीत, रोहतास प्रेसिडेंशियल, एयरटेल, एनटीपीसी, सीबीडीटी व हिल्टन फीडर की बिजली 30 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक बंद रहेगी। इसके अलावा बेहनरुवा, रिसाहा पुरवा, गुलाम हुसैन पुरवा में भी इस दौरान बिजली संकट रहेगा। यह जानकारी गोमती नगर के अधिशासी अभियंता धीरज यादव ने दी। शक्ति बिजली उपकेंद्र से संबंधित क्षेत्र में भवन संख्या एसएस 1000, एस द्वितीय 1100, एमएमडी 1396, ईडी एक से 400 से ईडी एक से 1000 तक सेक्टर डी वन की बिजली रविवार को सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक बंद रहेगी। अहिबरनपुर बिजली उपकेंद्र से संबंधित गल्लामंडी की बिजली सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक बंद रहेगी। विधानसभा मार्ग बिजली उपकेंद्र से संबंधित शिवाजी मार्ग, हाता लक्ष्मण दास, सुंदरबाग एवं आसपास दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक बिजली संकट रहेगा। बीकेटी के अधिशासी अभियंता के मुताबिक जीपीआरए बिजली उपकेंद्र से संबंधित सत्यार्थी धाम, अरजक कालोनी, भुइया देवी मंदिर, एनके हेरिटेज, संजीवनी अस्पताल व राम जानकी में बिजली संकट रहेगा। बंगला बाजार बिजली उपकेंद से संबंधित साईं मंदिर, खजाना व रेल विहार की बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक और पकरी, अन्नपूर्णा फीडर की बिजली दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक प्रभावित रहेगी। न्यू आलमाबाग बिजली उपकेंद्र से संबंधित कमेटी हाल, अपना पार्क, एलडीए सेक्टर डी में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक, गोपाल नगर, भोला खेड़ा, सुभाष नगर, सिंधु नगर में दोपहर 12:45 बजे से दोपहर 2:45 बजे तक और बरगवां गांव, एलडीए सेक्टर डी व बी में दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक बिजली बाधित रहेगी।

ठगी करने वाला आरोपी गिराफ्तार

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने रविवार को ठगी के आरोप में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2023 में पीड़ति विनोद कुमार नि० कैनालरोड गंजडुण्डवारा थाना गंजडुण्डवारा जिला कासगंज द्वारा लिखित तहरीर के आधार पर शक्ति पाल सिंह पुत्र अंग्रेज बहादुर सिंह निवासी कोड़र थाना वजीरगंज जनपद गोण्डा द्वारा सचिवालय लखनऊ में नौकरी दिलाने का झांसा देकर वादी के पुत्र से लगभग 70 लाख से अधिक रुपये की ठगी कर लेने तथा पैसा मांगने पर नये-नये नम्बरों से फोन कर जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में मुकदमा पंजीकृत किया गया। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त की तलाश के क्रम में पुलिस टीम द्वारा 29 मार्च को अभियुक्त के निवास स्थान ग्राम कोड़र थाना वजीरगंज जनपद गोण्डा पर दबिश दी गयी तो अभियुक्त घर पर मौजूद मिला। जिसे गिराफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया गया।

सीमा पर चुनौती : नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ की फिराक में बांग्लादेशी, पर्यटक वीजा से दाखिल होने की साजिश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजनीतिक उथल-पुथल। अस्थिरता की आशंका। राजावादी बनाम सत्ताधारी दल की कशमकश...। नेपाल इस समय दोराहे पर है। यह बदलाव भारत-नेपाल सीमा पर भी दिखता है, लेकिन बदले रूप में। यहां की कहानी अलग है। राजनीतिक सरगर्मी के बीच बांग्लादेशी टूरिस्ट वीजा पर नेपाल पहुंचकर भारत में घुसपैठ की कोशिश में हैं।

मधेश से लेकर उत्तराखंड तक इनकी गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए सीमा पर अलर्ट भी किया गया है। एसएसबी ने चौकसी बढ़ाई है। नवलपरासी जिले के सुरेंद्र महतो कहते हैं कि देश आंतरिक मसले में उलझा है। इसका फायदा बांग्लादेशी उठा रहे हैं। हाल के दिनों में सीमावर्ती क्षेत्र में होने वाली

गतिविधियां ठीक नहीं लग रही हैं।

उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, पीलीभीत व लखीमपुर खीरी से सटे नेपाली क्षेत्र में भी संदिग्ध गतिविधियां बढ़ी हैं। हम उत्तर प्रदेश से लगते नेपाल के बांके, नेपालगंज, रूपन्देही, बेलहिया, रौतहट, गौर व लुबिनी पहुंचे। कद-काठी और बोली भी स्थानीय लोगों से मिलने के कारण खुली सीमा का लाभ उठाकर बांग्लादेशियों के भारतीय क्षेत्र में मजदूरी के बहाने आने-जाने का पता चला।

रूपन्देही के संतोष तमांग कहते हैं कि अभी तक हम सुरक्षा को लेकर आश्वस्त थे, लेकिन सीमावर्ती क्षेत्र में रोहिंग्या के साथ बांग्लादेशी भी सक्रिय हैं। ये सभी नेपाल में अस्थिरता का लाभ उठाने की कोशिश में हैं। इन्हें रोकना होगा। नेपाल के साथ भारत को भी पहल करनी होगी।

सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी बदलाव भी हुआ

हिन्दू स्वयंसेवक संघ (नेपाल में आरएसएस) के रंजीत साह बताते हैं कि पहले सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम आबादी बहुत कम थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में घुसपैठ के कारण इनकी संख्या करीब 400 फीसदी बढ़ी है। नेपाल की नागरिकता का दुरुपयोग सबसे ज्यादा यहीं पर दिखता है। इनसे सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी बदलाव भी हुआ है।

नेपाली बाहर, बाहरी नेपाल में...

नेपाल के युवा खाड़ी देशों के साथ ही भारत में रोजगार की तलाश में आ रहे हैं। वहीं, बांग्लादेश व रोहिंग्या नेपाल में ही पैर जमा रहे हैं। अभी मकान, प्लंबर, पेंटिंग, इलेक्ट्रीशियन, नाई और बाइक मरम्मत का भी काम इन्होंने संभाल लिया है।

इस्लामी संघ पर उठाए सवाल

नेपाल पुलिस की इंटेलिजेंस शाखा ने सरकार को सौंपी रिपोर्ट में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को नेपाली नागरिकता दिलाने का भी खुलासा किया है। मुख्य रूप से ये पश्चिम बंगाल से जुड़े नेपाल के पूर्वी हिस्से काकरभिट्टा सीमा से प्रवेश कर रहे हैं। रिपोर्ट में नेपाल के इस्लामी संघ पर घुसपैठियों को नागरिकता दिलाने में मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है। यह संगठन बांग्लादेशी नागरिकों के परिवार के सदस्यों के रूप में गलत तरीके से सत्यापित करता है, जिन्होंने पहले ही नेपाली नागरिकता हासिल कर ली है।

सीमा सुरक्षा के प्रति सरकार सतर्क

नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल ने बताया कि यह सही है कि नेपाल में राजनीतिक उथल-पुथल है, लेकिन सीमा की सुरक्षा के प्रति सरकार सतर्क है। घुसपैठ के खिलाफ हम समय-समय पर कार्रवाई करते रहे हैं।

यूपी में बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर, अब स्मार्ट मीटर के साथ मुफ्त मिलेगा केबल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। अब मीटर बदले जाने के दौरान लगने वाला आर्मर्ड केबल उपभोक्ताओं को नहीं खरीदना पड़ेगा। जल्द ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रकिया शुरू होने जा रही है। विभाग द्वारा चयनित कंपनी पुराने मीटर हटाकर नए स्मार्ट मीटर लगाएगी। यह व्यवस्था पूरी तरह से निश्शुल्क रहेगी। पहले मीटर लगने पर उपभोक्ता को सर्विस केबल खरीदकर लाना पड़ता था, लेकिन अब स्मार्ट मीटर के साथ उपभोक्ता को आर्मर्ड केबल मुफ्त में दिया जाएगा। लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल व अमौसी जोन के मुख्य अभियंता रजत जुनेजा ने बताया कि सर्विस पोल से घर में लगे मीटर तक आर्मर्ड केबल विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी, जो अधिकतम 40 मीटर तक ही मान्य होगी। यही नहीं स्मार्ट मीटर लगने के बाद इसे पोस्ट पेड से प्री पेड या फिर नेट मीटर में बदला जा सकेगा। यही नहीं मीटर रीडिंग लेने की झंझट भी खत्म हो जाएगी। यदि उपभोक्ता सोलर लगवाता है तब भी यही मीटर काम आ जाएगा।

मुख्य अभियंता के मुताबिक, उपभोक्ता से अगर केबल के नाम पर कोई शुल्क की मांग करता है तो हेल्पलाइन नंबर 1912 पर सीधे शिकायत करें या फिर नजदीकी अवर अभियंता से मिलें। आर्मर्ड केबल सामान्य केबल से कई गुना मोटा होगा और इसमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ करना मुमकिन नहीं है।

अभियंता उपकेंद्रों का निरीक्षण करते हुए घर जाए

मुख्य अभियंता ने कहा कि अधिशासी अभियंता कार्यालय छोड़ने के बाद सीधे घर न जाए। कार्यालय से निकलने के बाद बिजली उपकेंद्रों का निरीक्षण करें। इससे यह पता चलेगा कि देर शाम छुट्टी होने के बाद कौन अभियंता व कर्मी कार्यालय में बैठा है और संबंधित क्षेत्र की बिजली व्यवस्था क्या है? यही नहीं इससे संबंधित अभियंता व बिजली कर्मी अपने क्षेत्रों सतर्क रहेंगे।

दो तो कहीं तीन घंटे गुल रही बिजली

पयागीपुर में आर्य इंटर प्राइजेज की केबल बाक्स खराब होने से शनिवार को दिन में तीन बजे बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे लोगों को दो घंटे तक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यहां पांच बजे के बाद आपूर्ति बहाल हुई। गभड़िया में शुक्रवार की रात नौ बजे ट्रांसफार्मर में केबल खराब होने से बिजली गुल हो गई है। मुहल्ले की एक हजार से अधिक आबादी को परेशानी हुई। हनुमंतनगर मुहल्ले में दिन में साढ़े बजे चार कटौती की गई। यहां एक घंटे बाद बिजली आपूर्ति शुरू हुई। धीरे धीरे बिजली में फाल्ट आने और कटौती का सिलसिला बढ़ता जा रहा है।

बिहार की राजनीति में छोटी छोटी पार्टियां ला सकती हैं बड़ा बदलाव

भारतीय राजनीति में बिहार को सियासी प्रयोगशाला समझा जाता है। यहां पर कई ऐसे दिग्गज राजनेता हुए, जिसे चुनावी मौसम विज्ञानी तक करार दिया गया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम अग्रगण्य है। चूंकि बिहार विधानसभा 2025 के लिए अक्टूबर-नवम्बर में चुनावी होने हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण चुनावी साल भी है, जिसके दृष्टिगत सभी राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं।

यूँ तो राज्य में कुल 243 सीटें हैं और दो बड़े गठबंधन हैं। जिनमें भाजपा और जेडीयू आदि की भागीदारी वाला एनडीए अभी सत्ता में है और कांग्रेस व आरजेडी आदि की भागीदारी वाला महागठबंधन विपक्ष में है। वहीं, दोनों ही गठबंधन में कुल 10 महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां हैं, जो जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर या फिर कहें कि खुद को सत्ता में बनाए रखने की संभावनाओं के आधार पर भारी उलटफेर करती रहती हैं, जिससे भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों का सियासी कद भी उनके सहयोगियों की जिद्द के समक्ष बौना नजर आता है। यहां की राजनीति में जदयू सुप्रीमो व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में उलटफेर का ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है कि बिहार के कई सारे सियासी रिकॉर्ड को उन्हें ध्वस्त कर अपने नाम कर लिया है। वहीं, नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की सियासी हनक से प्रेरणा लेते हुए कई ऐसे राजनीतिक दल अस्तित्व में आए हैं, जो अपने अपने इलाकों में अच्छे-खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी के सियासी भविष्य को मटियामेट करने लायक व्यापक प्रभाव रखते हैं। इनमें नवस्थापित जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के अलावा पुष्पम प्रिया, असदुद्दीन ओवैसी और आरसीपी सिंह आदि की पार्टी प्रमुख है, क्योंकि ये नेता ना तो लालू यादव-कांग्रेस के खेमे से जुड़े हैं और ना ही नीतीश कुमार-बीजेपी के खेमे में हैं। इसलिए यह समझा जा सकता है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में इन नेताओं की पार्टियां किसी तीसरे मोर्चे के रूप में उभर रही हैं, जो पारंपरिक गठबंधनों से अपनी अलग और अलहदा पहचान बनाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। कहने का तातपर्य यह कि ये दल स्वतंत्र रूप से अपनी अपनी राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो यदि बिहार विधानसभा की 10-20 प्रतिशत सीटें भी जीतने में कामयाब हो गए तो नीतीश कुमार और लालू प्रसाद का रिमोट कंट्रोल अपने हाथ में रखने में सफल होंगे। भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है। वैसे भी हिंदी पट्टी की राजनीति गैर कांग्रेस और गैर भाजपा राजनीति के लिए मुफीद समझी जाती है, जबकि लंबे समय तक कांग्रेस ने और फिर भाजपा ने इसे मनमाफिक हांका है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार इसी सियासी दांवपेंच की सफल पैदाइश समझे जाते हैं। हालांकि, बिहार की नई पीढ़ी अब इस तरह की घाती-प्रतिघाती राजनीति से ऊब चुकी है। इसलिए साल 2025 में वहां कुछ नया करिश्मा हो जाए तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। आप मानें या न मानें, लेकिन बिहार की राजनीति को पड़ोसी प्रान्त उत्तरप्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल व बंगलादेश की राजनीति भी प्रभावित करती है। पाकिस्तान और अरब देशों की सियासत का प्रभाव भी बैक डोर से यहां की राजनीति पर पड़ती है, इसलिए यहां की राजनीति को एकतरफा रूप से प्रभावित करने में कभी लालू प्रसाद सफल हुए तो कभी नीतीश कुमार। अब आगे की लड़ाई उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (भाजपा), पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (राजद), चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (जनसुराज पार्टी) और युवा तुर्क नेता कन्हैया कुमार (कांग्रेस) के बीच यदि सिमट जाए तो किसी के लिए हैरत की बात नहीं होगी। वैसे भी सम्राट चौधरी का सियासी ग्राफ सबसे ऊपर चल रहा है, क्योंकि आरएसएस और भाजपा, दोनों को उनमें अपना सियासी भविष्य दिख रहा है। नीतीश कुमार के स्वाभाविक विकल्प के तौर पर वो उभरे हैं। आपकी सियासी याद तरोताजा कर दें कि बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में 212 पार्टियों ने हिस्सा लिया था, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में 96 पार्टियां मैदान में उतरी थीं। यह बात अलग है कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में दर्जनों पार्टियां ऐसी थीं, जिन्होंने सिर्फ एक-एक सीट पर ही अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, कई पार्टियों ने 2, 3, 4, 5, 6 उम्मीदवारों को टिकट दिए थे। इससे राजद को परोक्ष लाभ मिला था, जिससे वह मजबूत तो हुई लेकिन सत्ता तक नहीं पहुंच पाई। तब बिहार में एनडीए की सरकार बनी, ब्रेक के बाद अभी भी वहां पर एनडीए की ही सरकार है। क्योंकि 2020 के चुनाव में एनडीए ने 125 और महागठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं। लेकिन कुशल सियासी रणनीति वश वर्तमान में एनडीए के खेमे में 129 विधायक हैं, जिनमें बीजेपी के 80, जेडीयू के 45 और जीतनराम मांझी की हम (HAM) पार्टी के 4 विधायक हैं। वहीं, विपक्ष के पास 107 विधायक हैं, जिनमें आरजेडी के 77, कांग्रेस के 19 और सीपीआई (एमएल)/CPI (ML) के 11 विधायक हैं।

अमेरिका के पलटने से वैश्वीकरण का सपना टूटा

जगदीश रत्तनानी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी नीति में और अधिक बदलाव का संकेत देने वाले एक महत्वपूर्ण भाषण में वैश्वीकरण की नीति को खारिज कर दिया है

ये महत्वपूर्ण बदलाव हैं जो दुनिया के कई कोनों में अपना प्रभाव डालेंगे क्योंकि अमेरिका की ताकत और उसके बड़े व्यवसायों की शक्ति एवं पहुंच नए राजनीतिक माहौल के अनुरूप है। अमेरिका के सामने निःसंदेह एक जटिल और परेशान समय है जो ऐसी कई क्रॉस धाराओं के बीच मुड़ता है जिनके पास ताकत हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी नीति में और अधिक बदलाव का संकेत देने वाले एक महत्वपूर्ण भाषण में वैश्वीकरण की नीति को खारिज कर दिया है। उन्होंने उस विचार प्रणाली पर भी हमला किया है जिसने अमेरिकी कंपनियों को आउटसोर्स सुविधाओं में आप्रवासियों और सस्ते श्रम से लाभ कमाने में सक्षम बनाया है। भाषण का फोकस अमेरिकी कंपनियों द्वारा अमेरिकी उत्पाद डिजाईनों को त्यागने और लागत बचाने के लिए कहीं और उत्पादित उत्पादों को अपनाने के कारण अमेरिकियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा ।

वेंस ने चीन का नाम तीन बार लिया लेकिन भारत का नहीं। फिर भी, ऑफ़शोरिंग की बुराइयों पर ज़ोर देने से इसमें कोई संदेह नहीं रह गया कि भारत के सॉफ्टवेयर और संबंधित सेवाओं को इस तर्क के व्यापक विषय से बाहर नहीं रखा गया था। भारत ने वर्ष 2023-24 में 200 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निर्यात किया जिसमें से आधे से अधिक अमेरिका को किया गया है। ट्रम्प पहले भी भारतीय कॉल सेंटरों का मजाक उड़ा चुके हैं जिनमें से अधिकांश यूएस-आधारित ग्राहकों की सेवा करते हैं लेकिन पहले ही एआई-संचालित समाधानों की बढ़ती तैनाती के कारण एक अलग खतरे में हैं। उपराष्ट्रपति वेंस 18 मार्च को उद्यम पूंजी फर्म आंद्रेसेन होरोविट्ज़ द्वारा आयोजित एक तकनीकी कार्यक्रम अमेरिकी गतिशीलता शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे। शिखर सम्मेलन 'राष्ट्रीय हित' के लिए काम करता है; और इस संदेश के साथ 2025 की बैठक को बढ़ावा दिया गया कि 'यह अमेरिका के निर्माण करने का समय है।'

हालांकि यह कहना मुश्किल है कि वेंस की नीति तत्काल कैसे चल सकती है और अगर यह एक जटिल और बेहद कुशलता से काम करने वाली वैश्विक मूल्य श्रृंखला को उजागर करने का एक यथार्थवादी उद्यम है' तो भारतीय संदर्भ में कई दिलचस्प बातें सामने आ खड़ी होती हैं। पहली तो यह कि, भारत अब चीनी मॉडल की नकल करके विनिर्माण केंद्र बनाने या बनने की उम्मीद नहीं कर सकता। फॉक्सकॉन जैसी कंपनियों को अपने कारखानों को भारतीय साइटों पर लाने और अमेरिकी बड़ी कंपनियों के लिए निर्माण करने वाली बात पीछे छूट रही है। उस तरह के विनिर्माण आधार के निर्माण का खेल इसकी समाप्ति तिथि से आगे निकल चुका है। यहां तक कि यदि भारत इस नीति को जारी रखता है तो भी वह यह खेल के निचले सिरे तक ही सीमित रहेगा। वह भी ऐसी जगह जिसे चीन ने इस श्रृंखला में कुछ ज्यादा पाने के लिए पीछे छोड़ दिया था। उदाहरण के लिए, आंकड़ों के मुताबिक चीन में 2009 में आईफोन 3 जी की असेंबली के लिए कुल मूल्य केवल 6.5 अमरीकी डालर या उस मॉडल के लिए सामग्री के बिल का 3.6 प्रतिशत था। यह केवल फॉक्सकॉन द्वारा असेंबली के लिए था। एक दशक बाद 2018 में आईफोन एक्स के लिए यह 104 अमरीकी डालर या सामग्री के बिल का 25.4 प्रतिशत तक पहुंच गया क्योंकि चीन बहुत धीरे-धीरे आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत हो गया और बैटरी, फ्रेम तथा कैमरा मॉड्यूल जैसे कई (गैर-कोर) भागों की आपूर्ति की। यह डेटा टोक्यो के नेशनल ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी स्टडीज के युकिंग जिंग की रिपोर्ट से है। वेंस के विरोध का एक कारण मूल्य श्रृंखला में चीन का ऊपर जाना भी है, जबकि अमेरिका इस बात से नाखुश है कि वैश्वीकरण ने अमेरिका से नौकरियां छीन ली हैं। (मूल्य श्रृंखला व्यवसायों के लिए रणनीतिक योजना का एक अभिन्न अंग है। मूल्य श्रृंखला किसी उत्पाद या प्रक्रिया के पूरे जीवनचक्र को संदर्भित करती है , जिसमें सामग्री सोर्सिंग, उत्पादन, खपत और निपटान-पुनर्चक्रण प्रक्रियाएं शामिल हैं।) अमेरिका इस बात से भी असहज है कि इस प्रक्रिया ने उन देशों को लाभान्वित किया है जहां उत्पादों या सेवाओं का निर्माण होता है। दूसरे शब्दों में अमेरिका स्वीकार कर रहा है कि वैश्वीकरण केवल अमेरिकी हितों की सेवा के लिए था और विनिर्माण केंद्रों के लिए काम नहीं करने वाला था। वेंस ने इसे कई शब्दों में कहा- 'हमने माना कि अन्य राष्ट्र हमेशा मूल्य श्रृंखला में हमारा पीछा करेंगे लेकिन यह पता चला है कि जैसे-जैसे वे मूल्य श्रृंखला के निचले छोर पर बेहतर होते गए उन्होंने भी ऊंचे स्तर (इसमें प्रीमियम, अपस्केल, शानदार, टॉप-ऑफ़-द-लाइन और उच्च-गुणवत्ता शामिल हैं) पर पकड़ना शुरू कर दिया। हम दोनों सिरों से निचोड़े गए थे। यह वैश्वीकरण का पहला झूठा घमंड या दावा था। तथ्य यह है कि भारत को खतरे के रूप में कम नहीं समझा गया है या उल्लेख नहीं किया गया है, यह भी एक संकेतक है कि देश अपने सभी दावा किए गए तकनीकी कौशल के लिए सस्ते श्रम वाली मध्यस्थता में फंसा हुआ है जिसमें नारायण मूर्ति के युवाओं के लिए 70 घंटे के कार्य सप्ताह जैसे नुस्खे में सीमित आकांक्षाएं देखी गई हैं। भारत को उत्तेजक, आकर्षक और अभिनव सॉफ्टवेयर समाधानों के साथ आगे होना चाहिए था लेकिन भारत की नीतियां बहुत धीमी गति से आगे बढ़ने की है; जबकि चीनियों ने लंबी छलांग मारकर खुद को आगे कर लिया जिसके उदाहरण डीपसीक, मानुस या अलीबाबा के क्यूडब्ल्यूक्यू -32 बी जैसे चीनी एआई मॉडल हैं। वेंस के अनुसार, वैश्वीकरण का दूसरा झूठा दावा यह था कि सस्ता श्रम एक बैसाखी बन गया, यहां तक कि एक नशीली दवा बन गया जिसने अमेरिकी नवाचार को दबा दिया है। वेंस की योजना के अनुसार यदि यह 'दवा आपूर्ति' काट दी जाती है तो कंपनियों को उसी काम के लिए अधिक भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाएगा जो उन्हें उत्पादकता और मार्जिन बनाए रखने हेतु नवाचार करने के लिए प्रेरित करेगा। पहले कई लोगों ने आउटसोर्सिंग को एक नवाचार कहा है। अब हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं जहां आउटसोर्सिंग को नवाचार की मौत की घंटी के रूप में देखा जा रहा है। यह एक नाटकीय उलटफेर है जो यह संकेत दे सकता है कि रोजमर्रा में अमेरिकी श्रमिकों के गुस्से ने कितना कुछ गहरा छोड़ दिया है। दूसरी बात जो सामने आती है वह यह है कि उपभोक्तावाद ने अमेरिका के मन में खालीपन भर दिया है। इसका बड़ा सबूत इस बात से मिलता है जब वेंस इशारा करते हैं कि 'श्रमिकों को उनकी नौकरियों से, उनके समुदायों से, उनकी एकजुटता की भावना से अलग करने' के कारण अमेरिका को नुकसान पहुंचा है। उपभोक्तावाद विरोधी गहरी भावना के साथ उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट रूप से कहा- 'आप लोगों में उनके उद्देश्य की भावना से अलगाव देखते हैं और महत्वपूर्ण बात यह है कि वे एक ऐसे नेतृत्व को देखते हैं जो मानता है कि लोक कल्याण नौकरी की जगह ले सकता है और एक मोबाईल फोन एप उद्देश्य की भावना को बदल सकता है।? वेंस ने वास्तव में तर्क दिया कि पैसा भले ही उपलब्ध हो लेकिन वह 'किसी ऐसी चीज को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है जो काम के बारे में सम्मानजनक और उद्देश्यपूर्ण थी।' ये महत्वपूर्ण बदलाव हैं जो दुनिया के कई कोनों में अपना प्रभाव डालेंगे क्योंकि अमेरिका की ताकत और उसके बड़े व्यवसायों की शक्ति एवं पहुंच नए राजनीतिक माहौल के अनुरूप है।

ब्लॉग

नरेंद्र मोदी के बड़े पैमाने पर प्रचारित मेक इन इंडिया की पोल खुली

नित्य चक्रवर्ती

जी.टी. विश्लेषण में कहा गया है कि 'आगे का रास्ता प्रणालीगत संस्थागत सुधार में निहित है जो भारत की वास्तविकताओं के अनुकूल हो। विनिर्माण शक्तियों की श्रेणी में शामिल होने के लिए, भारत को अपनी औपनिवेशिक विरासत की बेड़ियों को तोड़ना होगा जिसमें शासन संरचनाओं को सुव्यवस्थित करना, स्थानीय सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना और शैक्षिक समानता के माध्यम से औद्योगिक कार्यबल को बढ़ावा देना शमिल हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुमलों के सुपर सेल्समैन के रूप में जाने जाते हैं। जनधन खाते से लेकर हर साल युवाओं के लिए दो करोड़ नौकरियां पैदा करने तक, 2014 से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के सभी प्रचार-प्रसार एक बड़ी विफलता साबित हुए हैं। पिछले कुछ सालों में भी भाजपा की चुनावी मशीनरी या आधिकारिक एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के इन दो वायदों का कभी जिक्र नहीं किया। लेकिन उनका सबसे चर्चित और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम मेक इन इंडिया था, जिसकी घोषणा केंद्र में उनके कार्यभार संभालने के तुरंत बाद की गयी थी। 23अरब अमेरिकी डॉलर की उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, जो 2021 में एमआईआई कार्यक्रम का प्रमुख कार्यक्रम है, के बारे में मोदी ने घोषणा की थी कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप 2025 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक होने के साथ भारत दुनिया का उत्पादन केंद्र बन जायेगा। अब 2025 आ गया है, लेकिन सरकार ने बिना किसी आधिकारिक घोषणा के चुपके से मेक इन इंडिया के लिए बनायी गयी 23अरब डॉलर की पीएलआई योजना को समाप्त कर दिया है।

इस योजना का विस्तार 14 पायलट क्षेत्रों से आगे नहीं किया जायेगा और उत्पादन की समय सीमा नहीं बढ़ायी जायेगी। सरकार की विफलता बहुत बड़ी थी। मेक इन इंडिया और संबंधित पीएलआई योजना की नीतियों को तैयार करने में पीएमओ द्वारा दिया गया नेतृत्व कंपनियों को प्रेरित करने और नियामक और नौकरशाही बाधाओं को दूर करने में पूरी तरह विफल रहा। इसका एक मुख्य उद्देश्य चीन से आने वाले अमेरिकी और अन्य विदेशी निवेशों में से कुछ को भारत में स्थानांतरित करना था। उद्देश्य न केवल अपूर्ण रहा, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुसार 2025 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का हिस्सा 25 प्रतिशत के वादे के विपरीत अभी 14.3 प्रतिशत पर अटका हुआ है। विरोधाभास यह है कि पीएलआई योजना की शुरुआत के समय सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का हिस्सा 15.4 प्रतिशत था। इसलिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा पीएलआई योजना के पिछले चार वर्षों के मुकाबले कम हो गया।

रॉयटर्स समाचार एजेंसी ने पिछले सप्ताह शुक्रवार को भारतीय उद्योग के लिए भयानक खबर जारी की, जिसके कारण विदेशी निवेशकों और प्रतिस्पर्धियों, खासकर चीन की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया आई। बुधवार तक, सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर पीएलआई योजना की समाप्ति पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है, हालांकि पूरे भारतीय उद्योग के लोग इसके प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। पीएलआई योजना में भाग लेने वाले कई लोगों ने कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने पर काम करना शुरू कर दिया है। रॉयटर्स ने सरकारी दस्तावेज के हवाले से बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाली कई फर्में उत्पादन शुरू करने में विफल रहीं, जबकि विनिर्माण लक्ष्य को पूरा करने वाली अन्य फर्मों ने पाया कि भारत सब्सिडी का भुगतान करने में धीमा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संकलित कार्यक्रम के विश्लेषण के अनुसार, अक्टूबर 2024 तक, भाग लेने वाली फर्मों ने कार्यक्रम के तहत $151.93अरब मूल्य के सामान का उत्पादन किया था, जो मोदी सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 37 प्रतिशत था। दस्तावेज में कहा गया है कि भारत ने केवल $1.73 बिलियन का प्रोत्साहन जारी किया था-जो आवंटित धन का 8 प्रतिशत से भी कम है।

भारतीय व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक लालफीताशाही और नौकरशाही की सावधानी ने पीएलआई योजना की प्रभावशीलता को बाधित करना जारी रखा है। एक विकल्प के रूप में, भारत संयंत्र स्थापित करने के लिए किये गये निवेश की आंशिक रूप से प्रतिपूर्ति करके कुछ क्षेत्रों का समर्थन करने पर विचार कर रहा है, जिससे फर्मों को दूसरे के उत्पादन और बिक्री की प्रतीक्षा करने की तुलना में लागत को तेज़ी से वसूलने की अनुमति मिलेगी। नवीनतम निर्णय भारत और अमेरिका के बीच नई दिल्ली में व्यापार वार्ता के संदर्भ में हुआ है, जो भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क लगाने की ट्रम्प की धमकी की छाया में है। पीएलआई योजना की जगह लेने वाली वैकल्पिक योजना को वैश्विक स्तर पर नये व्यापार युद्ध की स्थिति को ध्यान में रखना होगा। विदेश व्यापार के एक प्रमुख विशेषज्ञ बिस्वजीत धर का मानना है कि पीएलआई योजना भारत के पास देश के विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने का संभवतः आखिरी मौका था। उनके अनुसार, यदि इस तरह की बड़ी योजना विफल हो जाती है, तो हम कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि कुछ भी सफल होने वाला है? दिलचस्प बात यह है कि चीन पहला देश था जिसने अंग्रेजी दैनिक ग्लोबल टाइम्स में एक विश्लेषण के माध्यम से उसी दिन प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिस दिन रॉयटर की 23अरब डॉलर की पीएलआई योजना की समाप्ति के बारे में रिपोर्ट जारी की गयी थी। पीएलआई योजना की विफलता के कारणों पर एक विश्लेषण में, ग्लोबल टाइम्स लिखता है, 'चीन के विनिर्माण प्रभुत्व को चुनौती देने के उद्देश्य से अपनी 23अरब डॉलर की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करने के चार साल बाद, भारत की प्रमुख 'मेक इन इंडिया' पहल संस्थागत जड़ता का एक चेतावनीपूर्ण उदाहरण बन गयी है। जैसा कि शुक्रवार को रॉयटर्स ने खुलासा किया, यह एक बार बहुप्रतीक्षित और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम अपने रास्ते से भटक गया है।

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का योगदान केवल 13 प्रतिशत है - जो चीन के 26 प्रतिशत और वियतनाम के 24 प्रतिशत से काफी कम है। ग्लोबल टाइम्स विश्लेषण बताता है कि ये आंकड़े एक गहरी प्रणालीगत अस्वस्थता को दर्शाते हैं। भारत के विनिर्माण विकास की वास्तविकता यह दर्शाती है कि मानवीय कारक निर्णायक बना हुआ है, जिसके लिए औपनिवेशिक संस्थाओं और वैचारिक ढांचों से प्रस्थान की आवश्यकता है, जिसमें संस्थागत समायोजन और नवाचार भी शामिल है। जी.टी. विश्लेषण में कहा गया है कि 'आगे का रास्ता प्रणालीगत संस्थागत सुधार में निहित है जो भारत की वास्तविकताओं के अनुकूल हो। विनिर्माण शक्तियों की श्रेणी में शामिल होने के लिए, भारत को अपनी औपनिवेशिक विरासत की बेड़ियों को तोड़ना होगा जिसमें शासन संरचनाओं को सुव्यवस्थित करना, स्थानीय सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना और शैक्षिक समानता के माध्यम से औद्योगिक कार्यबल को बढ़ावा देना शमिल हो। इसके लिए राज्य की मशीनरी और आधुनिक उद्योग की मांगों के बीच एक व्यापक संरेखण की ओर पीएलआई योजना के 'वित्तीय बैंड-एड' दृष्टिकोण से आगे बढ़ना आवश्यक है।'

ग्लोबल टाइम्स चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा संचालित पीपुल्स डेली समूह का अंग्रेजी दैनिक है। इसलिए इसके विचार चीनी सरकार के विचारों को दर्शाते हैं। समय महत्वपूर्ण है। 22 अक्टूबर को रूसी शहर कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत के बाद से भारत-चीन संबंधों में सुधार हुआ है। अमेरिकी पत्रकार लेक्सफ्रिडमैन को दिये गये अपने साक्षात्कार में भारतीय प्रधानमंत्री ने चीन के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा और सहयोग पर जोर दिया है। इससे यह संकेत मिला कि भारत चीन के साथ मुद्दों को मित्रवत तरीके से सुलझायेगा। आर्थिक सहयोग उनमें से एक था। मोदी सरकार के पिछले आर्थिक सर्वेक्षण में भारत में चीनी निवेश के माध्यम से भारतीय उद्योग के लिए अवसरों का उल्लेख किया गया था। चीनी आयात जारी है, लेकिन निवेश पर प्रतिबंध है। ऐसे संकेत हैं कि विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई प्रवाह बढ़ाने की वैकल्पिक योजना के हिस्से के रूप में, चीनी निवेश का स्वागत किया जा सकता है - वर्तमान बाधाओं में से कुछ को हटाकर। भारतीय निर्माता इसमें रुचि रखते हैं। यह सही समय है कि प्रधानमंत्री अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांतों पर आधारित टिकाऊ विनिर्माण कार्यक्रम का विकल्प चुनें, न कि महत्वाकांक्षी दिखावटी वायदे करें जो हासिल नहीं किये जा सकते।

अजब-गजब

मोटापे से महिला हुई इतनी परेशान, घर तक छोड़ दिया, फिर ऐसे बदली अपनी जिंदगी

कहा जाता है कि कई बार हम लोगों को जीवन में ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं, जिसका असर हमारे पूरे जीवन पर होता है और हां ये कई बार सही साबित हो जाते हैं। ऐसा ही एक महिला की कहानी इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में आई है। जिसने एक मकसद को लेकर अपने जीवन को पूरी तरीके से बदल लिया और अपना ऐसा कायाकल्प किया। जिसे देखने के बाद सारी दुनिया हैरान रह गई। महिला ने अपना वजन इतना कम कर लिया कि लोग उसे देखकर पहचान ही नहीं पा रहे हैं।

हम बात कर रहे हैं अमेरिका के रोड आइलैंड में रहने वाली 38 साल की कॉनी स्टोवर्स के बारे में, जो खाने और शराब की लत में इतनी ज्यादा मशगूल हो गई कि उन्होंने अपना वजन 300 पाउंड (136 KG) तक पहुंचा दिया। लेकिन एक दिन उन्होंने अपने आप को शीशे में देखा और वहीं से खुद को बदलने के बारे में सोचा क्योंकि कॉनी के पास वो सबकुछ था, जिसका एक आदमी सपना देखता है। 6 डिजिट सैलरी अच्छा घर और परिवार, लेकिन इतना सबकुछ होने के बावजूद उसे लगाता था कि वो अपने जीवन को बस जी रही है। ऐसे में उसने अपने जीवन में एक फैसला और अपने आप को पूरी तरीके से बदल लिया।

DailyMail से बातचीत में कॉनी ने बताया कि एक रात स्टोर में थकान से चूर होकर मैंने खुद से ये सवाल किया कि ये क्या मेरी जिंदगी है। इसके बाद मेरी आत्मा ने जो मुझे जवाब दिया उससे मेरा जीवन पूरी तरीके से बदल दिया। इसके बाद मैंने खुद को अपने परिवार से अलग किया। हालांकि ये मुश्किल था लेकिन मेरे लिए काफी ज्यादा जरूरी था। इसके बाद मैंने सबसे पहले अपनी नौकरी को अलविदा कहा और खुद का रियल एस्टेट बिजनेस शुरू किया। इसी बीच उन्हें रोलर-स्केटिंग मिली और उनकी दुनिया बदल गई।

अपने जीवन में रोलर-स्केटिंग और सही डाइट की वजह से मेरा वजन 297 पाउंड (लगभग 135 KG) से 100 पाउंड (लगभग 45 KG) कम हो चुका है। इसके अलावा मेरे बिजनेस में भी मुझे कामयाबी मिली और मेरे बिजनेस ने मुझे ये आजादी दी कि अब मैं सारी दुनिया में घूम-घूमकर स्टेकिंग कर सकता हूं। इसके अलावा कॉनी ने कहा कि ये सब मेरे लिए इतना आसान नहीं था लेकिन यहां मेरी बेटी ने मेरा साथ दिया और वो मेरी ताकत बन गई। अब मेरा मकसद है कि मैं लोगों को जीवन में कामयाब बनाऊं। मेरा मोटिव सिर्फ इतना है कि मैं लोगों को ये समझा सकूं कि एक सिर्फ एक फैसले से पूरी जिंदगी को बदला जा सकता है।

हिंदू दुकानदार ने मस्जिद में पढ़ी नमाज, वीडियो वायरल हुआ तो मचा बवाल... हनुमान मंदिर में करवाया गया शुद्धिकरण

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ में एक हिंदू दुकानदार द्वारा मस्जिद में नमाज अदा करने का मामला विवाद का कारण बन गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद मस्जिद में नमाज पढ़ने वाले हिंदू व्यापारी को मंदिर ले जाकर आगे से मस्जिद में नमाज न पढ़ने की भगवान के सामने कसम खिलाते और माफी मंगवाते हुए उसका शुद्धिकरण कराया गया।

इस दौरान हिंदू व्यापारी का मंदिर में शुद्धिकरण होने के बाद मौके पर मौजूद व्यापारियों को द्वारा जय श्री राम के जमकर नारे लगाए गए। इसके बाद मंदिर प्रांगण जय श्री राम के जय घोष से गूंज उठा। अतिसंवेदनशील अलीगढ़ जिले के प्रमुख बाजार मामू भांजा में शुक्रवार को जुमा अलविदा के दिन एक अजीब घटनाक्रम हुआ।

यहां मामू भांजा बाजार का एक हिंदू व्यापारी मामू भांजा की मस्जिद में टोपी लगाकर नमाज पढ़ने पहुंच गया। इस दौरान मस्जिद में हिंदू व्यापारी के द्वारा टोपी लगाकर नमाज पढ़ने का किसी व्यक्ति द्वारा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद मस्जिद में हिंदू व्यापारी द्वारा नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल होने के बाद यह खबर आसपास के दुकानदारों को लगी। सभी दुकानदार दंग रह गए। बाद में व्यापारी को मंदिर में ले जाकर शुद्धिकरण कराते हुए माफी मंगवाई गई। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली बन्ना देवी क्षेत्र के नई बस्ती निवासी प्रदेश व्यापारी सुनील कुमार राजानी की मामू भांजा में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। शुक्रवार की शाम को पांच बजे की नमाज के समय हिंदू व्यापारी सुनील अचानक से मामू भांजा बाजार में ही स्थित मस्जिद में पहुंच गया। वहां टोपी लगाकर कतार में खड़े होकर अन्य नमाजियों को देखकर नमाज पढ़ने लगा। कुछ ही देर में व्यापारी के मस्जिद में नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल होने की खबर बाजार में लोगों को पता लगी। आक्रोशित व्यापारियों ने मस्जिद से निकलते ही उसको घेर लिया। इसके बाद उसको बाजार के ही मंदिर में ले जाकर शुद्धिकरण कराते हुए माफी मंगवाई गईं और उसके बाद में वह अपने घर चला गया।

इस मामले पर दुकानदार गिरिराज माहेश्वरी ने बताया कि मामू भांजा मार्केट में गिरिराज इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से दुकान है। हिंदू व्यापारी के मस्जिद में टोपी लगाकर नमाज पढ़ने को लेकर बताया कि पिछले दो-तीन वर्षों से हिंदू व्यापारी बीमार चल रहा है और कुछ दिन पहले पैरालिसिस हो गया था। जिसके चलते उसकी दवाइयां भी चल रही थी। और उनका मानसिंक संतुलन खराब हो गया था। यही वजह है कि उन्होंने मस्जिद में नमाज पढ़ने जैसा गलत कदम उठा लिया। जब उनका वीडियो वायरल हुआ तो उस वीडियो को सभी व्यापारियों ने देखा। इसके बाद सभी व्यापारियों द्वारा उस व्यापारी को मंदिर में ले जाकर पूजा अर्चना कराते हुए जय श्री राम के नारे लगाते हुए अपनी गलती स्वीकार की।साथ ही उन्होंने माफी मांगते हुए कहा आगे से ऐसी गलती नहीं होगी।साथ ही उसका शुद्धिकरण भी कराया गया।

ऐसे मांगी व्यापारी ने माफी

वही मस्जिद में नमाज पढ़ने वाले व्यापारी ने मंदिर में हनुमान की मूर्ति के सामने कसम खाते हुए कहा- जो गलती मुझसे हुई है वो मेरी आखिरी गलती है। मैं हनुमान बाबा को साक्षी मानकर यह कसम खाता हूं कि मै हिंदू हूं और हिंदुत्व की ही बातें करूंगा। कभी मस्जिद नहीं जाऊंगा और किसी के बहकावे में आकर कभी कुछ नहीं करूंगा।

फकीर की बात मानी

वहीं, भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष एवं व्यापारी मोनू अग्रवाल ने इस मामले को लेकर कहा- कोई फकीर करीब एक हफ्ते पहले हिंदू व्यापारी सुनील कुमार की दुकान पर मांगने के लिए आया था। फकीर व्यापारी से बोला- आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं हो रहा है। इसीलिए एक बार मस्जिद में नमाज पढ़ लेंगे तो आपका स्वास्थ ठीक हो जाएगा। यही वजह है कि उस फकीर की बात पर हिंदू व्यापारी शुक्रवार को जुम्मा अलविदा के दिन मस्जिद में नमाज पढ़ आए। जो की बहुत गलत बात है।

सांसद अरुण गोविल पहुंचे मेरठ जेल, साहिल-मुस्कान को दी रामायण, बताया- कैसा था दोनों का रिएक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ जेल में बंद सौरभ हत्याकांड के आरोपी मुस्कान और साहिल अब अपने जीवन को नई दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। जेल में 10 दिन पूरे हो जाने के बाद जहां मुस्कान सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण ले रही है। वहीं साहिल खेती-बाड़ी सीख रहा है। दोनों की दिनचर्या अब अन्य कैदियों के साथ सामंजस्य में बीत रही है और उनका जीवन धीरे-धीरे नशे और अपराध की छाया से बाहर निकल रहा है,ऐसा वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा का कहना है।

रविवार को मेरठ-हापुड़ लोकसभा से सांसद और प्रसिद्ध अभिनेता अरुण गोविल, जिन्होंने लोकप्रिय धारावाहिक रामायण में भगवान श्री राम के किरदार की भूमिका निभाई थी, वो मेरठ जेल पहुंचे। सांसद अरुण गोविल ने 1500 के करीब रामायण यहां वितरित की। उन्होंने कैदियों को रामायण ग्रंथ भेंट किया। इस दौरान जेल में सांसद अरुण गोविल की मुलाकात मुस्कान और साहिल से भी हुई। दोनों ने रामायण लेने की इच्छा जताई, दोनों आरोपी रामायण प्राप्त करने के लिए आगे आए।

पश्चाताप के छलक पड़े आंसू

सांसद अरुण गोविल ने बताया कि उनको रामायण देते हुए उन्होंने देखा कि दोनों की आंखों में भावनाओं का ज्वार उमड़ पड़ा। ऐसा प्रतीत हुआ कि मुस्कान की आंखों में पश्चाताप के आंसू छलक पड़े, जबकि साहिल गहरी सोच में डूब गया। सांसद अरुण गोविल ने कैदियों को समझाया कि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा में ले जाने वाली एक प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि जो बीत गया, उसे बदला नहीं जा सकता, लेकिन भविष्य को संवारने का अवसर हमेशा रहता है। उन्होंने कैदियों से अपील की कि जेल से बाहर निकलने के बाद वे इस संकल्प के साथ जीवन व्यतीत करें कि दोबारा अपराध की राह पर न चलें।

सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण

वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ। वीरेश राज शर्मा ने बताया कि कैदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए उन्हें विभिन्न कार्यों में संलग्न किया जा रहा है। मुस्कान को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके, जबकि साहिल को जैविक खेती की शिक्षा दी जा रही है ताकि वह अपनी जीविका चला सके।

बौद्ध सम्मेलन में पहुंचे बसपा प्रदेश अध्यक्ष : कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का रविवार को बस्ती पहुंचने पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कप्तानगंज कस्बे के साथ ही अनेक स्थानों पर जिलाध्यक्ष अनिल गौतम के संयोजन में स्वागत किया। इसी क्रम में वे राजकीय इण्टर कालेज में आयोजित बौद्ध धम्म महासम्मेलन में पहुंचे और धम्मा लर्निंग सेण्टर सारनाथ के संस्थापक भिक्खु चन्द्रिमा थेरो, अग्ग महापण्डित भदन्त ज्ञानेश्वर महास्थिवर के साथ ही कार्यक्रम में अनेक स्थानों से आये बौद्ध भिक्षुओं का वंदन कर आशीर्वाद लिया।बसपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से वार्ता के दौरान विश्वनाथ पाल ने संगठन की मजबूती से ही राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक लक्ष्य हासिल होंगे। इस दिशा में पूरी ताकत से जुट जाय। बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से उमाशंकर के साथ ही बसपा के अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

देव प्रतिमाओं को तोड़ा, हिंदू कार्यकर्ताओं में आक्रोश... बुलंदशहर में नवरात्रि से पहले माहौल बिगाड़ने की कोशिश

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में नवरात्रि की पूर्व संध्या पर असामाजिक तत्वों ने देव प्रतिमाओं को तोड़कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। हालांकि उनकी ये कोशिश नाकाम रही। इससे आक्रोशित होकर गांव वालों और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने 24 घंटे में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने और दूसरी देव प्रतिमा स्थापित करने का आश्वासन दिया। तब कहीं जाकर गुस्साए लोग शांत हुए।

ये मामला बुलंदशहर के नारऊ गांव से सामने आया है। थाना छतारी क्षेत्र के गांव नारऊ में मुस्लिम आबादी वाले इलाके में पथवारी माता का मंदिर स्थित है। नवरात्रि की पूर्व संध्या पर असामाजिक तत्वों ने पथवारी से शेरावाली माता की प्रतिमा

और शिव परिवार की प्रतिमाओं को तोड़ने की कोशिश की गई। जब इस घटना की जानकारी पूरे गांव को हुई तो गांव वाले और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता एकजुट हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे।

नई प्रतिमा स्थापित करने का दिया आश्वासन

घटना की जानकारी मिलते ही थाना छतारी पुलिस और अन्य थानों की फोर्स को भी मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंचे डिबाई सीओ शोभित कुमार और राजस्व अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीण और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि 24 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। इसके साथ ही नई देव प्रतिमाएं स्थापित करने का आश्वासन भी लोगों को दिया। तब जाकर हंगामा कर रहे लोग शांत हुए।

गांव वालों से शांति बनाए रखने की अपील की

इस मामले में FIR दर्ज कर ली गई है। स्थानीय ग्रामीण सतीश चंद्र शर्मा समेत कई ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर तहरीर पुलिस को दी। सीओ डिबाई शोभित कुमार ने बताया कि इस मामले में पुलिस की 2 टीमें गठित कर दी गई हैं। इलाके में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कानून कार्रवाई करेगी। ग्रामीणों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गांव वालों से भी शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

जांच के नाम पर ई- रिक्शा चालकों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : होगा आन्दोलन- महेन्द्र श्रीवास्तव

बस्ती। कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और बस्ती आटो रिक्शा जन कल्याण समिति के संरक्षक महेन्द्र श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग किया है कि जांच के नाम पर टेम्पो और ई- रिक्शा चालकों के उत्पीड़न का फरमान वापस लिया जाय।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ रही है और पढ़े लिखे शिक्षित युवा मजबूरी में ई- रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। यदि जांच अभियान के नाम पर ई- रिक्शा चालकों से यह भी मौका छीन लिया गया तो आखिर क्या करेंगे। कहा कि एक ओर तो आर.टी.ओ. विभाग के संरक्षण में सैकड़ो डग्गामार और डबल डेकर बसें, डम्फर चल रहे है उस पर जिम्मेदार मौन है। विभाग से लेकर थानों पर उनका महीना बंधा है दूसरी ओर अब ई- रिक्शा चालकों के लिये 1 अप्रैल से विशेष जांच का फरमान योगी सरकार ने जारी कर दिया है।

गाजीपुर : ऐसा खौफ! न कोई करता था केस, न देता था गवाही... अब हुई 3 साल की सजा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का एक ऐसा अपराधी, जिसके भय से न कोई गवाही देना चाहता था और न ही उसके खौफ से कोई अपराधिक कृत्य करने पर मुकदमा दर्ज कराने की हिम्मत करता था। हालांकि इस अपराधी पर पुलिस ने साल 2009 में मुकदमा दर्ज किया था। इससे पहले 2002 में भी गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया था, लेकिन कोई गवाह नहीं था। अब पुलिस महानिरीक्षक की ओर से चलाए जा रहे अपराधी को सजा दिलाए जाने के लिए ऑपरेशन कन्वेंशन के चलते गाजीपुर के विशेष न्यायाधीश एससी एसटी कोर्ट ने इस अपराधी को 3 साल की कारावास की सजा सुनाई है।

दरअसल गाजीपुर के दिलदारनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला नजमुद्दीन, जो एक संगठित आपराधिक गिरोह चलाता था। उसके गैंग में कई अन्य सदस्य भी शामिल थे और वह आए दिन आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया करते थे। कई आपराधिक घटनाओं के बावजूद कोई भी उनके खिलाफ मुंह खोलने या गवाही देने को तैयार नहीं होता था। तब तत्कालीन दिलदारनगर थाना के प्रभारी राम निहोर मिश्र ने 2009 में मुकदमा दर्ज कराया।

मुकदमा दर्ज कराने की हिम्मत नहीं

उन्होंने बताया था कि गैंग लीडर नजमु उर्फ नजमुद्दीन और लड्डन के साथ ही कई अन्य लोग मिलकर गैंग चला रहे हैं और यह गैंग अपने आर्थिक और भौतिक लाभ के लिए दिलदारनगर थाना क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के इलाकों में अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं। लोगों के अंदर इनका भय और खौफ इस कदर था कि लोग इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाते थे। उस वक्त इनके ऊपर कुल पांच मुकदमे दर्ज थे।

3 साल की सजा और 3 हजार का जुर्माना

तब गैंगस्टर के तहत मामला दर्ज कर चार्जशीट कोर्ट में पेश की गई थी। इसके बाद ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने तीन गवाह भी पेश किए। वहीं इससे पहले दिलदारनगर थाने में एक मुकदमा 11 जून 2002 को भी गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। इस मामले में भी अभियोजन पक्ष ने एक गवाह पेश किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट और विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट अलख कुमार की अदालत ने आरोपियों को दोनों मामलों में दोषी मानते हुए तीन-तीन साल की कारावास और तीन-तीन हजार रुपए का जुर्माना लगाया था।

नाबालिग आदर्श उपाध्याय के परिजनों को समाजवादियों ने दिया 2 लाख का आर्थिक सहयोग

बस्ती। रविवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मण्डल पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई गांव पहुंचकर नाबालिग आदर्श उपाध्याय के पिता ओम प्रकाश उपाध्याय और परिजनों से मिलकर ढाढस बधाया । पार्टी फण्ड से राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर एक लाख का चेक और सपा जिला इकाई बस्ती की ओर से एक लाख कुल दो लाख रूपये की सहयोग राशि परिजनों को सौंपा गया।दुःखी परिवार को हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन देते हुये सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि नाबालिग आदर्श उपाध्याय की पुलिसिया पिटाई से मौत मामले में अभी तक दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। पार्टी न्याय दिलाने की दिशा में निरन्तर सहयोग करेगी।

गाड़ी ओवरटेक करने को लेकर हुआ विवाद, आरपीएफ जवान ने भाजपा नेता को सड़क पर सरेआम पीटा, वीडियो वायरल होते ही मचा बवाल

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली से एक RPF कांस्टेबल का दबंगई का मामला सामने आया है। शहर के मिनी बाईपास पर एक विवाद ने बड़ा रूप ले लिया जब एक आरपीएफ कांस्टेबल ने भाजपा नेता को सड़क पर गिराकर लात-घूसों से पीट दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे मामला और गरम हो गया। कांस्टेबल के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज पुलिस जांच में जुट गई है।

बरेली के सीबीगंज के स्लीपर रोड निवासी और भाजपा के सीबीगंज मंडल के कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता रात अपनी कार से मिनी बाईपास से गुजर रहे थे। इसी दौरान कर्मचारी नगर चौकी के पास आरपीएफ कांस्टेबल मनवीर चौधरी ने गाड़ी ओवरटेक करने पर उन्हें रोक लिया।

अजय गुप्ता का आरोप है कि कांस्टेबल ने पहले उन्हें गालियां दीं, जिसका उन्होंने विरोध किया। इसी

बात पर मनवीर चौधरी भड़क गया और अपनी स्कूटी अजय गुप्ता की कार के आगे लगा दी। इसके बाद वह जबरन उन्हें कार से बाहर खींचकर सड़क पर गिरा दिया और लात-घूंसों से पीटने लगा। इस दौरान वहां मौजूद राहगीरों ने किसी तरह बीच-बचाव कर अजय गुप्ता को बचाया, लेकिन तब तक किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेताओं में रोष फैल गया।

पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

वीडियो वायरल होते ही भाजपा नेताओं ने थाना इज्जतनगर पहुंचकर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। इंस्पेक्टर बिजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी आरपीएफ का कांस्टेबल है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने पीड़ित अजय गुप्ता का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। घटना से भाजपा नेताओं में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आरोपी कांस्टेबल से पूछताछ कर रही है।

सोशल मीडिया पर बहस तेज

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोग इस घटना को लेकर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोग इसे सत्ता से जुड़े व्यक्ति पर हमला बता रहे हैं, तो कुछ लोग कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बरेली में ईद पर मिला खास तोहफा, मुस्लिम महिलाओं ने की पीएम मोदी की जमकर तारीफ

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दी गई सौगात का असर अब साफ नजर आने लगा है। यहां मुस्लिम अल्पसंख्यक मोर्चा के गरीब मुस्लिम परिवारों को ईद के मौके पर खास किट का वितरण किया गया। इस पहल से गरीब मुस्लिम महिलाओं और परिवारों में खुशी देखने को मिली। दरअसल बरेली में मुस्लिम अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों मुस्लिम महिलाएं और पुरुष पहुंचे। सभी को राशन किट दी गई, जिसमें खाने-पीने की जरूरी चीजें शामिल थीं।

मुस्लिम महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। महिलाओं का कहना था कि यह पहली बार हुआ है जब किसी

प्रधानमंत्री ने गरीब मुसलमानों की चिंता की है और ईद के मौके पर उनके लिए खास इंतजाम किया है। एक महिला ने कहा पहली बार ऐसा हो रहा है कि ईद से पहले हमें सरकार से इतनी बड़ी मदद मिली है। मोदी जी का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने हमारा ख्याल रखा। अब हम ईद अच्छी तरह से मनाएंगे।

बरेली में अभियान की शुरुआत

वहीं, मुस्लिम अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष परवेज ने कहा कि इस अभियान की शुरुआत बरेली से हो चुकी है और इसे आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा गरीब मुस्लिम परिवारों तक राहत पहुंचाने की योजना है। ताकि कोई भी जरूरतमंद बिना मदद के न रहे। ईद मुसलमानों के लिए सबसे बड़ा त्योहार होता है, लेकिन कई गरीब परिवार ऐसे हैं जिनके पास त्योहार मनाने के लिए भी पर्याप्त संसाधन नहीं होते। इसी को देखते हुए सरकार की तरफ से यह पहल की गई है, जिससे जरूरतमंदों को जरूरी सामान मिल सके और वह खुशी से अपना त्योहार मना सकें।

मुस्लिम समुदाय को किट वितरित की

बरेली में हुए इस आयोजन में महिलाओं की भीड़ यह साबित कर रही थी कि यह योजना उन तक सही तरीके से पहुंच रही है और इसका लाभ भी मिल रहा है। राशन किट में आटा, चावल, दाल, चीनी, तेल और बाकी जरूरत की चीजें दी गईं, जिससे वह आसानी से त्योहार की तैयारी कर सकें। इस पहल से बरेली के मुस्लिम समुदाय में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति समर्थन बढ़ता दिख रहा है, जहां पहले यह समुदाय कई मुद्दों पर सरकार से असंतुष्ट दिखता था। वहीं अब इस तरह की योजनाओं से लोगों की सोच बदल रही है।

मुस्लिम परिवारों ने लिया भाग

एक स्थानीय निवासी ने कहा, "सरकार ने हमारी ईद के लिए जो किया, वह तारीफ के काबिल है। पहले हमें लगता था कि सिर्फ कुछ ही लोगों को सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन अब हमें भी सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।" बरेली में यह वितरण कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा। बड़ी संख्या में मुस्लिम परिवारों ने इसमें भाग लिया और राशन किट ली। अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों ने भी इस अवसर पर कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है। आगे भी इसी तरह से गरीबों की मदद की जाएगी।

बिजली चोरी के मामले में फंसे उद्योगपति दीनानाथ झुनझुनवाला, विभाग ने भेजा 2 .97 करोड़ का नोटिस

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। विभिन्न गड़बड़ियों के चलते अक्सर ही चर्चाओं में रहने वाले शहर के उद्यमी की मुश्किलें लगातार बढ़ते ही जा रही है। 2007 में हुई बिजली चोरी के प्रकरण में 17 साल बाद विशेष न्यायाधीश द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद नगरीय विद्युत वितरण खंड षष्टम ने 28 मार्च को झुनझुनवाला को 2.97 करोड़ का नोटिस भेजा है। इसके बाद हड़कंप की स्थिति है। शहर के षष्टम खंड में बिजली चोरी के 17 साल पुराने मामले में अदालन ने पिछले दिनों 94 साल के उद्यमी दीनानाथ झुनझुनवाला को दोषी करार दिया है। इसके साथ ही उद्यमी पर 2.97 करोड़ 58 हजार 827 रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। नगरीय विद्युत वितरण खंड (षष्ठम) आशापुर के तत्कालीन अधिशासी अभियंता संकट हरण सिंह ने सारनाथ थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

संकट हरण सिंह के अनुसार, वह अपनी टीम के साथ 11 जून 2007 को आशापुर स्थित मेसर्स झुनझुनवाला आयल मिल के विद्युत कनेक्शन की जांच करने गए थे। तत्कालीन अधिशासी अभियंता के अनुसार जांच के दौरान पाया गया कि उपभोक्ता को 200 केवीए का भार 11000 वोल्ट पर स्वीकृत है।

उपभोक्ता ने बताया था कि 30 मई 2007 से पहले बिजली का उपयोग और मांग अत्यधिक कम थी। एमआरआई रिपोर्ट से बिजली चोरी का मामला सामने आया। पता चला कि चोरी से बिजली निगम को 99.19 लाख 609 रुपये की राजस्व की क्षति हुई है। वहीं मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने झुनझुनवाला आयल मिल के अधिष्ठाता उद्यमी दीनानाथ झुनझुनवाला को दोषी पाया और जुर्माना लगाया। इससे पहले भी तेल कारोबारी व प्रमुख उद्यमी दीनानाथ झुनझुनवाला के आवास और कार्यालय पर ईडी, आयकर विभाग की छापेमारी हो चुकी है। अभी पिछले साल भी 22 जून 2024 को उनके आवास और कार्यालय पर ईडी ने छापेमारी की थी। भागलपुर में 1934 में जन्मे दीनानाथ झुनझुनवाला ने 1954 में बीएचयू से औद्योगिक रसायन में स्नातक किया।

न्यायालय के आदेश के अनुपालन में झुनझुनवाला के खिलाफ लगभग 2.97 करोड़ का नोटिस भेज दिया गया है। समय पर बिल व जुर्माना राशि नहीं चुकाने पर वसूली की कार्रवाई की जाएगी। - एके धर्मा, अधीक्षण अभियंता, नगरीय विद्युत वितरण खंड षष्टम, सारनाथ पत्नी किशोरी देवी (87) से उनके तीन बेटे थे। एक की मौत हो चुकी है। दो बेटे उनका कारोबार में हाथ संभालते हैं। दीनानाथ झुनझुनवाला ने झुनझुनवाला वनस्पति लिमिटेड, झुनझुनवाला आयल मिल्स लिमिटेड, झूला रिफाइनरीज, झूला हबकियर्स आदि कंपनी खोली। वैसे इससे पहले उनका उद्योग कपड़ा धोने के साबुन एवं उसमें पड़ने वाले फिलर सोडियम सिलिकेट बनाने का था।

लाल से लेकर नारंगी तक... किस रंग का फूड खाने से क्या होता है सेहत पर असर

सब्जियां और फल कई न्यूट्रिशन से भरपूर होते हैं और हर रंग की सब्जी और फलों की अपनी एक अलग खासियत है। जान लेते हैं लाल से लेकर हरी और नारंगी तक किस रंग की सब्जी या फल खाने से क्या होता है।

हेल्दी और फिट रहने के लिए अच्छी मात्रा में सब्जियों और फलों को डाइट में जगह देनी चाहिए, क्योंकि हर सब्जी और फल की अपनी खासियत होती है और इसलिए सेहत को कई फायदे मिलते हैं। हेल्दी रहने के लिए न्यूट्रिशन की जरूरत होती है। सब्जियां और फल मिनरल्स से लेकर विटामिन्स का भी बेहतरीन सोर्स हैं। इसलिए डाइट में हरी के साथ ही रंग-बिरंगी मौसमी सब्जियां और अलग-अलग फ्रूट्स को शामिल करने की सलाह दी जाती है। वेट कंट्रोल करने की बात हो तब भी सब्जियों और फलों का ज्यादा सेवन करना काफी फायदेमंद रहता है, लेकिन क्या आपको पता है कि किस रंग की सब्जी या फल खाने से आपकी सेहत पर क्या असर होता है?

डाइट में ज्यादातर लोग हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल करने पर जोर देते हैं, क्योंकि फिटनेस के मामले में भी आप इन सब्जियों को गिल्ट फ्री होकर खा सकते हैं। हालांकि इसके अलावा हर रंग की सब्जी और फलों की अलग न्यूट्रिशन वैल्यू होती है। आज जानेंगे लाल, हरी, नारंगी और पर्पल कलर की सब्जियां और फल खाने से क्या होता है।

लाल रंग के फल और सब्जियां

अगर आप अपनी डाइट में टमाटर, अनार, चुकंदर, स्ट्रॉबेरी, तरबूज, सेब, लाल शिमला मिर्च, चैरी जैसी चीजें शामिल करते हैं तो इससे आपकी स्किन का सन डैमेज से बचाव होता है। इसके अलावा दिल की हेल्थ अच्छी रहती है साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने में सहायक होते हैं।

हरे रंग के फूड्स खाने के फायदे

डाइट में हरे रंग की सब्जियां और फ्रूट्स को शामिल करने से दिल की बीमारियों का जोखिम कम होता है। इनमें एंटी कैंसर कंपाउंड्स पाए जाते हैं। इन फूड्स के एंटी इंफ्लामेटरी गुण सूजन आदि सो बचाव करते हैं साथ ही त्वचा भी नेचुरली चमकदार और यंग बनती है। हरे फूड्स शरीर को नेचुरल तरीके से डिटॉक्सीफाई करने में मददगार होते हैं।

ऑरेंज कलर के फूड्स खाने से फायदे

डाइट में पंपकिन यानी कद्दू, ऑरेंज फ्रूट्स, पका हुआ पपीता, शकरकंद शामिल करने से रिप्रोडक्टिव डिजीज से बचाव होता है। ये सब्जियां बीटा-कैरोटीन से भरपूर होती हैं, इसलिए आंखों को फायदा होता है। इसके साथ ही इनमें रिच एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कोलेजन बूस्ट करने में हेल्फुल हैं।

पर्पल कलर के फूड्स से क्या हैं फायदे

बैंगनी रंग के फूड्स में पॉलीफेनॉल होते हैं जो कई हेल्थ प्रॉब्लम से बचाव करते हैं। इसके साथ ही इनमें एंटी कैंसर कंपाउंड्स भी पाए जाते हैं। ये फूड्स बढ़ती उम्र में हेल्दी रखने, स्किन को यंग बनाए रखने, हार्ट को हेल्दी रखने, डैमेड सेल्स को रिपेयर करने के साथ ही मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करते हैं। इसके अलावा पर्पल कलर के फूड्स जैसे बैंगन, बेरीज, अंगूर, आदि खाने से कॉग्न नेगेटिव हेल्थ (सोचने-समझने और सीखने की क्षमता) भी दुरुस्त रहती है।

डाइट

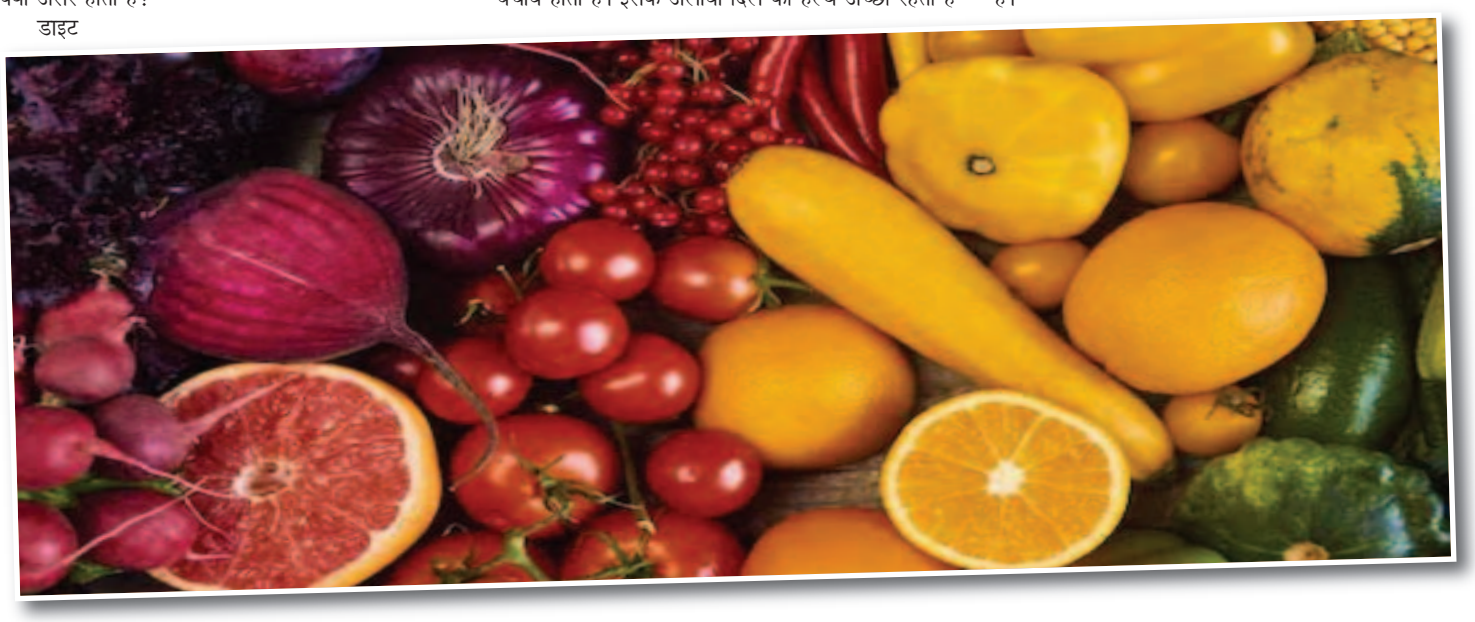

चैत्र नवरात्रि की पूजा में पहनें ऐसे आउटफिट, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

रविवार 31 मार्च को देशभर में चैत्र नवरात्रि का त्योहार शुरू हो गया है। इस दौरान मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं, अगर आप पूजा में आउटफिट को लेकर थोड़ा कंफ्यूज हैं, तो यहां हम आपको स्टाइलिश और कंफर्टेबल आउटफिट आइडिया देते हैं।

चैत्र नवरात्रि का त्योहार शुरू हो रहा है। नवरात्रि का त्योहार 6 अप्रैल राम नवमी तक चलेंगे। देवी दुर्गा की उपासना और व्रत के लिए नवरात्रि के दिन बेहद खास होते हैं। पहले दिन घट स्थापना करके मां को विराजमान किया जाता है। नवरात्रि के दौरान आप पूजा के लिए किसी परफेक्ट आउटफिट ढूंढ रही हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है।

नवरात्रि का त्योहार हिंदू नववर्ष का प्रतीक भी माना जाता है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि घर में नवरात्रि पूजा के दौरान आप कौन से कंफर्टेबल और स्टाइलिश आउटफिट कैरी कर सकती हैं। आप बी टाउन एक्ट्रेसेस के सिंपल लुक्स से इंस्पायर हो सकती हैं।

व्हाइट अनारकली सूट

नवरात्र के पहले दिन आप करीना कपूर की तरह व्हाइट अनारकली सूट कैरी कर सकती हैं। व्हाइट कलर हमेशा से रॉयल लुक देता है। इससे आप काफी स्टाइलिश लगेंगी। करीना ने सूट के साथ गोटे की जैकेट कैरी की है। इसके साथ ही उन्होंने स्टेटमेंट इयररिंग्स पहने हैं।

येलो सूट

अपनी आउटफिट में ट्रेडिशनल के साथ मॉडर्न लुक देना चाहती हैं तो सोनम बाजवा का ये लुक काफी परफेक्ट ऑप्शन है। सोनम ने पीले कलर का इंडो-वेस्टर्न स्टाइल सूट पहना है। गोटा पट्टी वर्क के इस सूट की स्लीव्स काफी लूज है, जिससे आपको डिफरेंट लुक मिलेगा। सोनम ने लाइट मेकअप के साथ बड़े झुमके कैरी किए हैं।

गरारा लुक

नवरात्र में आप थोड़ा डिफरेंट लुक अपनाते हुए एक्ट्रेस डायना पेंटी की तरह गरारा सूट पहन सकती हैं। उनका गोल्डन हैवी एंब्रॉयडरी गरारा सूट रॉयल लुक देगा। गरारा सूट आजकल काफी ट्रेंड में भी हैं। इसके साथ आप लंबे इयररिंग्स कैरी कर सकती हैं। एक्ट्रेस का न्यूड शेड मेकअप किया है।

लाइट पिंक सूट

आजकल लाइट पिंक सूट भी काफी चलन में है। एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन का ये लुक आपको भी काफी इंप्रेस कर देगा। इस सूट की लॉन्ग स्लीव्स और वी नेक पर बेहद खूबसूरत थ्रेड एंब्रॉयडरी है। उनके बॉटम वियर में भी एंब्रायडरी वर्क किया गया है। हाई हील्स लुक को और ज्यादा स्टाइलिश बना रही हैं।

गर्मियों के दिनों में पूरा दिन रहेंगे एक्टिव, एक्सपर्ट ने बताया रोजाना खा लें ये 4 चीजें

भिगोए

गर्मियों में शरीर को ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। पसीना बहने के चलते शरीर से मिनरल्स निकल जाते हैं। ऐसी में इस मौसम के दौरान अपनी डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि शरीर को भरपूर ऊर्जा मिले और हम दिनभर तरोताजा महसूस कर सकें। हालांकि, गर्मी के सीजन में अपनी डाइट में उन्हीं चीजों का इस्तेमाल करें, जो हेल्दी हों और जल्दी डाइजेस्ट हों।

डायटीशियन मोहिनी डोंगरे कहती हैं कि कई बार हम ज्यादा तला-भुना खा लेते हैं, जिसके चलते हमारा पाचन धीमा हो जाता है। इससे मेटाबॉलिज्म पर भी असर पड़ता है। लेकिन गर्मियों के दिनों में भी एनर्जी बनाए रखने के लिए आपको कुछ विशेष चीजें डाइट में शामिल करनी चाहिए। इन्हें खाकर आप दिनभर एक्टिव रहेंगे।

दही खाएं

गर्मियों में दही का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो पाचन को दुरुस्त रखते हैं। साथ ही, दही शरीर को ठंडक प्रदान करता है। इसे आप लस्सी या रायते के रूप में भी खा सकते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ पेट को भी ठंडा रखते हैं।

बादाम खाना

भीगे बादाम शरीर को एनर्जी देने का काम करते हैं। यह आसानी से पच भी जाते हैं। बता दें कि बादाम में प्रोटीन, फाइबर और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व होते हैं। इन्हें भिगाकर खाने से बादाम में मौजूद एंजाइम एक्टिव हो जाते हैं।

मूंग दाल का सलाद

मूंग दाल का सलाद गर्मियों में एक अच्छा और हल्का भोजन विकल्प है। मूंग दाल में प्रोटीन, फाइबर और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं। इसे खीरा, टमाटर, नींबू और हरी मिर्च के साथ मिलाकर खाने से यह एक बेहतरीन सलाद बन जाता है, जो न केवल ताजगी देता है बल्कि शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करता है।

केला

केले में नेचुरल शुगर और फाइबर होता है। इसके अलावा, यह आयरन का भी रिच सोर्स होता है। गर्मियों में नाश्ते के दौरान दो केले खाने से आप पूरा दिन एनर्जेटिक फील करेंगे। यह आपको तुरंत एनर्जी देने का काम करता है। इसमें मौजूद विटामिन-बी6 शरीर में सेरोटोनिन का लेवल बढ़ाकर मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है।

टमाटर का जूस पीने से सुबह की शुरुआत कैसे हो सकती है फायदेमंद?

टमाटर का जूस पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट की सफाई करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

टमाटर का जूस एक ऐसा पेय है, जो न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

यह लेख उन लोगों के लिए है, जो अपनी सुबह को सेहतमंद और ऊर्जावान बनाना चाहते हैं।

टमाटर में विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

आइए जानते हैं कि रोज सुबह टमाटर का जूस पीने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

पाचन तंत्र को सुधारने में है सहायक

टमाटर का जूस पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट की सफाई करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

इसके नियमित सेवन से पेट हल्का महसूस होता है और गैसट्रिक समस्याएं कम होती हैं।

अगर आप रोज सुबह खाली पेट टमाटर का जूस पीते हैं तो यह आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और भोजन के अवशोषण में मदद करता है।

वजन घटाने में है प्रभावी

जो लोग वजन घटाना चाहते हैं तो उनके लिए टमाटर का जूस एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

इसमें कैलोरी कम होती हैं, लेकिन पोषक तत्व भरपूर होते हैं, जिससे भूख कम लगती है और शरीर की ऊर्जा बनी रहती है।

इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। यह जूस पाचन तंत्र को भी सुधारता है, जिससे भोजन का अवशोषण सही तरीके से होता है और शरीर स्वस्थ रहता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है अच्छा

टमाटर का जूस हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

इसमें लाइकोपीन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय की बीमारियों का खतरा कम होता है।

टमाटर का जूस पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट की सफाई करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

इसके अलावा, टमाटर का जूस कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित रखता है, जिससे धमनियों में रुकावट नहीं होती और रक्त संचार सुचारू रहता है।

नियमित रूप से इसका सेवन करने से हृदय की कार्यक्षमता बेहतर होती है।

त्वचा को निखारने में है कारगर

टमाटर का जूस त्वचा के लिए बहुत लाभकारी होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की चमक बढ़ाते हैं और उसे तरोताजा रखते हैं।

यह दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है और झुर्रियों को दूर रखने में सहायक होता है।

अगर आप अपनी त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारना चाहते हैं तो रोज सुबह टमाटर का जूस जरूर पिएं। इससे आपकी त्वचा की सेहत बेहतर होती है।

कमाल की है ये सरकारी स्कीम, 12 हजार रुपये हर महीने जमा कर बन जाएंगे करोड़पति

शेयर मार्केट की उठा-पटक के बीच इस सरकारी स्कीम में निवेशकों को फिक्स रिटर्न मिल रहा है। स्कीम में आप 12 हजार रुपये प्रति महीने जमा करके करोड़पति भी बन सकते हैं। आइए इसका कैलकुलेशन समझते हैं।

जब अपनी कमाई को बचाने की बात होती है, तो लोग अक्सर अपने पैसे को ऐसी जगह लगाते हैं, जहां पर आपको बढ़िया रिटर्न मिले। बढ़िया और अच्छा रिटर्न की बात होती है, तो शेयर मार्केट का ख्याल सबसे पहले आता है। शेयर बाजार में रिटर्न तो मिलता है, लेकिन उसमें रिस्क बहुत ज्यादा होता है। अभी शेयर बाजार में बिकवाली का दौर भी चल रहा है। मार्केट पिछले करीब 5 महीनों से नीचे ही जा रहा है।

ऐसे में पीपीएफ जैसी सरकारी स्कीम्स हैं, जहां पर निवेशकों को फिक्स रिटर्न मिल रहा है। उनके जमा पैसों पर मार्केट की उठा-पटक का असर नहीं पड़ता है। आइए हम आपको बताते हैं कि आप इस स्कीम के तहत 3 हजार, 6 हजार और 12 हजार रुपये महीने जमा करके 25 सालों में आप कितने रुपये सेव कर सकते हैं। इसमें ब्याज कितना मिलता है और आप अपने पैसों को कब निकाल सकते हैं।

3000 रुपये जमा करने पर फंड

अगर पीपीएफ अकाउंट में हर महीने 3,000 हजार रुपये जमा करते हैं, तो साल भर में 36 हजार रुपये जमा होंगे और इसी तरह 25 सालों में आप 9 लाख रुपये जमा कर लेंगे। चूंकि, पीपीएफ पर सरकार सालाना 7।1 फीसदी का ब्याज देती है। इस हिसाब पर जमा पर कुल अनुमानित ब्याज 15,73,924 लाख रुपये होगा। कुल मिलाकर आप 25 साल में 3 हजार रुपये हर महीने जमा करके 24,73,924 लाख रुपये की बचत कर लेंगे।

6 हजार रुपये जमा करने पर फंड

वहीं, अगर आप इस स्कीम में 6 हजार रुपये हर महीने 25 साल तक जमा करते हैं, तो आप 18 लाख रुपये जमा करेंगे और उस पर कुल अनुमानित ब्याज 31,47,847 रुपये मिलेगा। अगर कुल जमा रकम और ब्याज को जोड़ दिया जाए तो आप 25 सालों में कुल 49,47,847 रुपये सेव कर लेंगे।

ऐसे बनेगा 1 करोड़ तक का फंड

पीपीएफ में 6 हजार रुपये हर महीने 25 साल तक जमा करके जहां 50 लाख रुपये के करीब बचा लेंगे। वहीं, अगर आप 12 हजार रुपये प्रति महीने जमा करेंगे, तो आपके पास करीब 1 करोड़ रुपये का फंड जमा हो जाएगा। 12 हजार रुपये के हिसाब से 25 वर्षों में आपकी कुल निवेश राशि 36,00,000 रुपये होगी। इस अवधि के दौरान अर्जित अनुमानित ब्याज 62,95,694 रुपये होगा और कुल निवेश करीब 98,95,694 रुपये का होगा।

एआई से ऐसे बदलेगा देश का जॉब सेक्टर, विट में दिग्गजों ने बताई राज की बात

देश के नंबर-1 न्यूज नेटवर्क TV9 के What India Thinks Today (WITT-2025) के तहत Global Summit में AI से जॉब मार्केट में आ रहे बदलावों पर विस्तार से चर्चा हुई। Skilling & Education : Preparing India for Viksit Bharat सब्जेक्ट पर जॉब और एजुकेशन सेक्टर से जुड़े कई दिग्गत जुटे। इन सभी ने AI और इससे जुड़ी चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। इस सेशन में कैरेट कैपिटल के फाउंडर पंकज बंसल, टीमलीज सर्विसेस के स्टाफिंग सीईओ कार्तिक नारायण, फिनटिबा के एमडी जोनास मैरग्राफ, पीपल रिसर्च ऑन इंडिया कंज्यूमर इकोनॉमी के एमडी और सीईओ डॉ। राजेश शुक्ला, ग्रांट थॉर्टन भारत के जीसीसी लीडर जसप्रीत सिंह और करुण्या यूनिवर्सिटी के प्रो वीसी ई। जे। जेम्स शामिल हुए।

नौकरी हैं स्किल नहीं...

इस सत्र की शुरुआत में ही टीमलीज सर्विसेस के कार्तिक नारायण ने कहा कि भारत में जॉब्स की कमी नहीं, असल में स्किल की कमी है। उनके पास हर महीने नौकरी की 20 से 30 हजार ओपन पोजिशन आती हैं, लेकिन वह सिर्फ एक तिहाई लोगों को ही नौकरी ऑफर कर पाते हैं। हालांकि कार्तिक ने इस बात पर जोर दिया कि एआई से जॉब्स का पैटर्न बदलेगा, ना कि जॉब्स।

उनकी इस बात का समर्थन डॉ. राजेश शुक्ला ने भी किया। उन्होंने इंटरनेशनल लेवल ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत की मात्र 4 प्रतिशत वर्कफोर्स ऐसी है जो एडवांस लेवल-4 स्किल (मतलब नौकरी पाने लायक) रखती है। जबकि दुनिया के कई अन्य देशों में ये स्तर काफी बेहतर है। चीन में भी 25 प्रतिशत तक वर्कफोर्स के पास एडवांस स्किल है, जबकि कोरिया में ये 90 प्रतिशत और अमेरिका में 70 प्रतिशत। इसमें टेक्निकल स्किल भी शामिल है। ऐसे में विकसित भारत के लिए हमें बेहतर करने की जरूरत है।

भरना होगा स्किल का गैप

सत्र के दौरान ग्रांट थॉर्टन इंडिया के जसप्रीत सिंह ने कहा कि वह इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते कि एआई लोगों की जॉब्स नहीं लेगा। अगर पिछले 3-4 हफ्तों की हेडलाइन को देखें तो पाएंगे कि दुनियाभर में फ्रेशर्स को जॉब मिलने में परेशानी आ रही है। वहीं अगर आईटी कंपनियों के हायरिंग पैटर्न को देखें तो बीते एक साल में ज्यादातर जॉब्स एआई स्किल वालों को मिली है।

उन्होंने कहा कि अब ये वक्त वर्कफोर्स को री-स्किल करने का है। री-स्किलिंग आसान नहीं होने वाली है और जब हम एआई की बात कर रहे हैं तो हमें आईटी और उससे जुड़े सेक्टर्स से अलग जॉब्स के बारे में भी देखना होगा कि वहां एआई क्या असर डालने वाला है। इतना ही नहीं कंपनियों के एचआर लीडर्स को ये भी देखना होगा कि सिर्फ फ्रेशर्स को ही जॉब नहीं मिले, बल्कि मिड-मैनेजमेंट के लोगों को भी नए जॉब्स हासिल हों। इसी इवेंट में पंकज बंसल ने कहा कि सरकार ने स्किलिंग के लिए अपने लेवल पर बहुत काम किया है। लेकिन समस्या हमारे माइंडसेट में भी है। हम एक 'डिग्री' ड्रिवेन सोसायटी है। लेकिन अब दुनिया बदल गई है और हमें अपनी वर्कफोर्स को 'स्किल ड्रिवेन' बनाना है।

केंद्र सरकार ने 3,712 करोड़ रुपये के पटना-सासाराम 4-लेन हाइवे प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने शुक्रवार को बिहार में पटना से शुरू होकर सासाराम तक जाने वाले 120 किलोमीटर तक के 4-लेन प्रवेश-नियंत्रित ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड पटना-आरा-सासाराम कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी।

सीसीईए ने बैठक के बाद जारी किए बयान में कहा कि प्रोजेक्ट हाइब्रिड एनुटी मोड (एचएएम) में डेवलप किया जाएगा। इसकी लागत 3,712.40 करोड़ रुपये होगी। एचएएम एक पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल है जिसे सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में निजी क्षेत्र की भागीदारी को पुनर्जीवित करने के लिए डिजाइन किया गया है। सरकार प्रोजेक्ट के निर्माण के दौरान निजी डेवलपर को वार्षिक भुगतान के रूप में लागत का 40 प्रतिशत प्रदान करती है। निजी डेवलपर प्रोजेक्ट लागत का शेष 60 प्रतिशत लोन या इक्विटी के माध्यम से जुटाता है। सरकार द्वारा जारी बयान में कहा गया कि वर्तमान में, सासाराम, आरा और पटना के बीच संपर्क मौजूदा

स्टेट हाईवे (एसएच-2, एसएच-12, एसएच-81 और एसएच-102) पर निर्भर करता है, जिसमें आरा शहर सहित भारी यातायात के कारण 3 से 4 घंटे लगते हैं। मौजूदा ब्राउनफील्ड हाईवे के 10.6 किमी के अपडेट के साथ एक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जिससे बढ़ती भीड़ को कम किया जा सके, जिससे आरा, गड़हनी, पीरो, बिक्रमगंज, मोकर और सासाराम जैसे स्थानों में घनी आबादी वाले क्षेत्रों की जरूरतें पूरी हो सकेंगी।

यह प्रोजेक्ट एनएच-19, एनएच-319, एनएच-922, एनएच-131जी और एनएच-120 सहित प्रमुख परिवहन गलियारों को एकीकृत करता है, जिससे औरंगाबाद, कैमूर और पटना को निर्बाध संपर्क प्रदान होता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रोजेक्ट 02 हवाई अड्डों (पटना में जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और आगामी बिहटा हवाई अड्डा), 04 प्रमुख रेलवे स्टेशनों (सासाराम, आरा, दानापुर, पटना) और 01 अंतर्देशीय जल टर्मिनल (पटना) को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और पटना रिंग रोड तक सीधी पहुंच बढ़ाएगी, जिससे माल और यात्री आवागमन में तेजी आएगी। पूरा हो जाने पर, पटना-आरा-सासाराम कॉरिडोर क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इससे लखनऊ, पटना, रांची और वाराणसी के बीच संपर्क में भी सुधार होगा। यह प्रोजेक्ट सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है, इससे रोजगार सृजन होगा, इन्फ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि होगी और बिहार में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रोजेक्ट से 48 लाख मानव दिवस रोजगार सृजित होंगे तथा पटना और आसपास के विकासशील क्षेत्रों में विकास, प्रगति और समृद्धि के नए रास्ते खुलेंगे।

पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट, क्या जेलेंस्की की भविष्यवाणी से है कोई संबंध?

मॉस्को। रूस यूक्रेन युद्ध ने एक बड़ा टर्न लिया है, अब ये लड़ाई रूसी सेना और यूक्रेनी सेना के बीच नहीं रही है। इस बार किसी नागरिक या सैन्य इमारत को निशाना नहीं बनाया गया है, बल्कि पुतिन के काफिले की ही एक आलीशान ऑरस लिमोजिन में विस्फोट हुआ है, जिससे उसमें आग लग गई। हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि विस्फोट कैसे हुए, लेकिन ऐसे समय में विस्फोट होना एक बड़ी सुरक्षा चूक की तरफ इशारा कर रहा है।

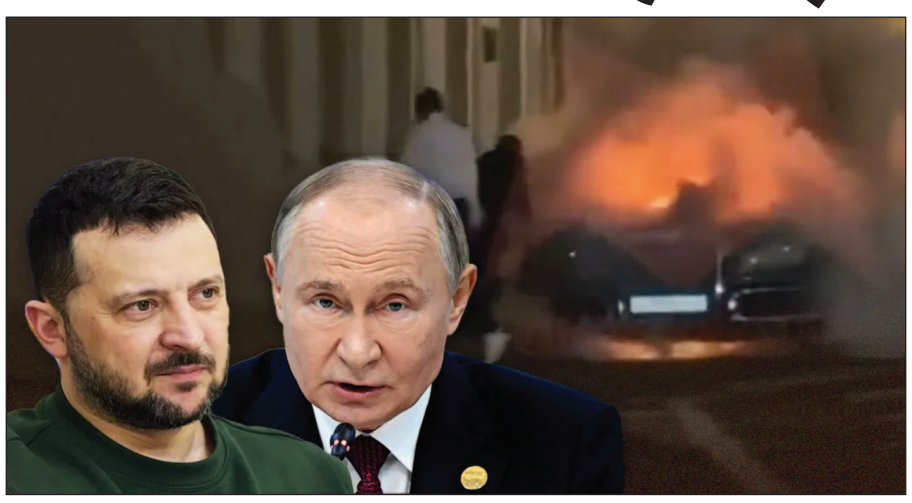

कुछ दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने पुतिन के जल्द मरने की भविष्यवाणी की थी। जिसके बाद लोगों का शक इस बात की ओर भी जा रहा है कि कही जेलेंस्की ने ही तो पुतिन की मौत का प्लान बना लिया है और वह उनके काफिले तक पहुंच गए हैं। धमाका मॉस्को में FSB मुख्यालय के बाहर हुआ है। हालांकि, इस धमाके में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जोरदार धमाके के बाद लिमो कार में आग लग गई। इंजन से आग निकली फिर पूरी कार में फैल गई। घटना के वक्त की फुटेज में देखा जा सकता है कि इमरजेंसी टीमें तुरंत मौके पर पहुंची है और बचाव कार्य शुरू किया।

जेलेंस्की ने क्या भविष्यवाणी की थी?

अमेरिका की ओर से कराए गए समझौते पर एक मीडिया चैनल से बात करते हुए राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर टिप्पणी की थी। रूसी राष्ट्रपति के बिगड़ते स्वास्थ्य के बारे में अटकलों के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा, "व्लादिमीर पुतिन जल्द ही मर जाएंगे" उन्होंने आगे कहा कि पुतिन का जल्द मरना एक तथ्य है।

इस भविष्यवाणी के कुछ दिन बाद ही ये धमाका कई सवाल खड़े कर रहा है कि कही यूक्रेन सीधा निशाना पुतिन को ही तो नहीं बना रहा। हालांकि इस काल विस्फोट के पीछे किसका हाथ है, इसका खुलासा जांच होने के बाद ही हो सकेगा। लेकिन पुतिन के काफिले में इस विस्फोट ने रूस की सुरक्षा चिंताएं बड़ा दी हैं।

रूस ने दागें 172 ड्रोन

शांति वार्ता की लगातार कोशिशों के बाद भी रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है। शनिवार को यूक्रेन राष्ट्रपति ने एक्स पर जानकारी दी कि रूस ने 172 ड्रोन दागे हैं। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, "कल रात ही रूस ने 172 स्ट्राइक ड्रोन लॉन्च किए – उनमें से 100 से ज़्यादा शाहेड थे। ये बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले अब लगभग रोज़मर्रा की हकीकत बन गए हैं। इसके अलावा बैलिस्टिक मिसाइलों सहित मिसाइलों का खतरा भी लगातार बना हुआ है।"

जोलेंस्की ने आगे कहा कि हमारे साझेदारों को यह साफ रूप से समझना चाहिए – ये हमले सिर्फ़ यूक्रेनी नागरिकों पर ही नहीं, बल्कि सभी अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर भी हैं। उसी कूटनीति पर जिसका इस्तेमाल हम इस युद्ध को खत्म करने के लिए करने की कोशिश कर रहे हैं।

नेपाल में राजशाही के समर्थन में हिंसक विरोध-प्रदर्शन, पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर लगा इतने लाख का जुर्माना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू के कुछ हिस्सों में राजशाही समर्थकों ने प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति और पर्यावरण को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा है। इस नुकसान की वजह से काठमांडू के नागरिक निकाय ने पूर्व किंग ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाया है। विरोध प्रदर्शन के बाद, सुबह 7 बजे शहर के पूर्वी हिस्से में कर्फ्यू हटाने के बाद काठमांडू में स्थिति सामान्य बनी हुई है। यहां पर स्थानीय प्रशासन ने शुक्रवार को शाम 4।25 बजे कर्फ्यू लगा दिया, जिसके बाद तिनकुने-बानेश्वर इलाके में राजशाही समर्थकों की ओर से हिंसक प्रदर्शन किया गया। हिंसक प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और एक राजनीतिक पार्टी के कार्यालय पर हमला किया। मौके पर मौजूद सभी गाड़ियों में आग लगा दी और दुकानों को लूट लिया।

सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में एक टीवी कैमरामैन समेत दो लोगों की मौत हो गई और 110 लोग घायल हो गए। ये विरोध प्रदर्शन ज्ञानेंद्र शाह के बुलाने पर आयोजित किया गया था, इसलिए काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी (केएमसी) के मेयर बालेंद्र शाह ने काठमांडू के बाहरी इलाके महाराजगंज में निर्मला निवास में उनके आवास पर एक लेटर भेजा। लेटर में उनसे नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 7,93,000 नेपाली रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया। पूर्व किंग को भेजे गए लेटर की कॉपी मीडिया में भी जारी की गई थीं। केएमसी ने कहा कि पूर्व किंग के बुलाने पर ही प्रदर्शनकारी वहां इकट्ठा हुए। प्रदर्शन की वजह से महानगर की बहुत सी जरूरी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया है।

300 से ज्यादा परमाणु बमों की ताकत... इतना ज्यादा खतरनाक था म्यांमार भूकंप

म्यांमार। म्यांमार में 28 मार्च का दिन तबाही लेकर आया। ये तबाही 7।7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप और उसके बाद आए कई झटकों की वजह से हुई। तबाह हो चुके म्यांमार में किसी भी जीवित शख्स को खोजने के लिए बचावकर्मी अपनी कोशिश में जुटे हुए हैं। भूविज्ञानी केमुताबिक, ये भूकंप इतना खतरनाक रहा कि इन झटकों को 300 से ज्यादा परमाणु बमों के बराबर ताकत वाला बताया।

म्यांमार में सदी का सबसे शक्तिशाली भूकंप आया है। इस प्राकृतिक आपदा में 1,600 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई है। सैकड़ों लोग घायल और लापता हो गए हैं।

बैंकॉक में कितन लोगों की मौत?

भूकंप के कारण पड़ोसी थाईलैंड में भी लोगों की मौत हुई है।

अधिकारियों के मुताबिक, बैंकॉक में 17 लोगों की मौत हो गई है। यहां भूकंप के बाद बैंकॉक में एक 30 मंजिल निर्माणाधीन आसमान छूती चंद सेकंड में भरभराकर ढह गई।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, म्यांमार में आए भूकंप के एक दर्जन से ज्यादा झटके आए। इस भूकंप का केंद्र मांडले के पास था। USGS के आंकड़ों से पता चला है कि 10 घंटों के भीतर म्यांमार में कुल 15 भूकंप के झटके महसूस किए गए, इसकी शुरुआत 6:20 (UTC) पर देश में आए 7।7 तीव्रता के बड़े भूकंप से हुई। USGS के मुताबिक, 29 मार्च को भी म्यांमार में कम से कम दो भूकंप आए, जिनमें से एक की तीव्रता 5।1 और दूसरे की 4।2 मापी गई।

334 परमाणु बमों के बराबर ऊर्जा

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, एक भूविज्ञानी ने बताया कि म्यांमार में आए भूकंप ने 334 परमाणु बमों के बराबर ऊर्जा उत्सर्जित की।

भूविज्ञानी जेस फीनिक्स के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, इस तरह के भूकंप से निकलने वाली ऊर्जा लगभग 334 परमाणु बमों के बराबर होती है। एक अन्य भूकंपविज्ञानी ने कहा कि भूकंप पृथ्वी पर एक बड़े चाकू से वार करने जैसा था। भारत की ओर से भी इस आपदा से निपटने के लिए हर संभव मदद मुहैया कराई जा रही है।

शेख हसीना का तख्तापलट करने में शामिल लड़कियों को अमेरिका की सौगात, मिलेगा अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

ढाका, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने ऐलान किया है कि अमेरिका 2025 के अंतरराष्ट्रीय साहसी महिला (IWOC) पुरस्कार इस बार बांग्लादेश की महिला छात्र विरोध नेताओं को भी दिया जाएगा। इस पुरस्कार को 'मैडेलीन अलब्राइट मानद समूह पुरस्कार' के नाम से भी जाना जाता है और इसे विश्व भर में साहसी काम करने वाली महिलाओं को दिया जाता है।

पिछले साल अगस्त में हुए शेख हसीना के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में बांग्लादेश के छात्रों ने अहम भूमिका निभाई है और इसमें बड़े पैमाने पर छात्राएं भी शामिल थी। अमेरिका की ओर से मिलने वाला यह सम्मान महिला छात्र कार्यकर्ताओं के एक समूह की असाधारण बहादुरी को मान्यता देगा।

पुरुषों के गिरफ्तार होने के बाद संभाली थी महिलाओं ने कमान

अमेरिकी प्रवक्ता कार्यालय की ओर से जारी एक मीडिया नोट में कहा गया है, "जब पुरुष समकक्षों को गिरफ्तार किया गया, तो इन महिलाओं ने सेंसरशिप के प्रयासों को धता बताते हुए, इंटरनेट के पूर्ण बंद होने के दौरान भी संवाद जारी रखने और विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के लिए नए-नए तरीके खोजे। अनिश्चितता के बीच इन महिलाओं की बहादुरी और निस्वार्थता ही साहस की परिभाषा थी।"

बांग्लादेश देश के अलावा इन देशों को भी मिलेगा अवार्ड

इस साल ये अवार्ड कई देश की महिला छात्र विरोध नेताओं को दिया जाएगा जिसमें – बांग्लादेश, बुर्किना फासो, इजराइल, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, रोमानिया, दक्षिण सूडान, श्रीलंका और यमन की महिलाएं भी शामिल है।

कब दिया जाएगा अवार्ड?

IWOC पुरस्कार समारोह की मेजबानी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप करेंगी और यह 1 अप्रैल 2025 को अमेरिकी विदेश विभाग में आयोजित होगा।

मीडिया नोट के मुताबिक 2007 में अपनी स्थापना के बाद से, इस वार्षिक पुरस्कार ने 90 से ज्यादा देशों की 200 से अधिक महिलाओं को असाधारण साहस और नेतृत्व का प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया है, जिन्होंने अक्सर बहुत अधिक जोखिम और बलिदान के साथ किसी काम को अंजाम दिया है।

संघ के 100 वर्ष: जन्मजात देशभक्त थे हेडगेवार, आजादी के हर प्रयास का किया सम्मान

100 साल बाद भी उनके बताए मार्ग पर चल रहे युवा

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस साल अपने 100 वर्ष पूरे कर रहा है और आज संघ के संस्थापक डॉ। केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, संघ अपने कार्य के 100 वर्ष पूरे कर रहा है, ऐसे समय में उत्सुकता है कि संघ इस अवसर को किस रूप में देखता है। स्थापना के समय से ही संघ के लिए यह बात साफ रही है कि ऐसे अवसर उत्सव के लिए नहीं होते, बल्कि ये हमें आत्मचिंतन करने और अपने मकसद के लिए फिर से समर्पित होने का मौका देते हैं।

संघ के 100 वर्षों की इस यात्रा को लेकर दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, 100वर्षों की इस यात्रा के अवलोकन और विश्व शांति, समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य का संकल्प लेने के लिए संघ संस्थापक डॉ। केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती से बेहतर कोई और मौका नहीं हो सकता, जो वर्ष प्रतिपदा यानि हिंदू कैलेंडर का पहला दिन है।

"डॉ। हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे"

आरएसएस के संस्थापक डॉ। हेडगेवार को याद करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, डॉ। हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे। भारतभूमि के लिए उनका प्रेम और शुद्ध समर्पण बचपन से ही उनके कामों में दिखाई देता था। कोलकाता में अपनी मेडिकल की शिक्षा पूरी करने तक वे भारत को ब्रिटिश दासता से मुक्त कराने के लिए हो रहे सभी प्रयासों और क्रांति से लेकर सत्याग्रह तक से परिचित हो चुके थे।

डॉ। हेडगेवार का जिक्र करते हुए होसबाले ने कहा, उनका मानना था कि कुछ लोगों के नेतृत्व में सिर्फ राजनीतिक आंदोलनों से हमारे प्राचीन राष्ट्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होगा, इसलिए उन्होंने लोगों को राष्ट्रहित में जीने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए लगातार कोशिश की और एक पद्धति तैयार करने का निर्णय किया।

संघ निर्माण में डॉ. हेडगेवार की अहम भूमिका

सरकार्यवाह ने कहा, समाज में संघ की स्वीकार्यता और अपेक्षाएं भी बढ़ रही हैं। यह सब डॉक्टर जी की दृष्टि की स्वीकार्यता का संकेत है। हिंदुत्व और राष्ट्र के विचार को समझाना आसान काम नहीं था क्योंकि उस काल के ज्यादातर अंग्रेजी शिक्षित बुद्धिजीवी राष्ट्रवाद की यूरोपीय अवधारणा से प्रभावित थे। डॉ। हेडगेवार के जीवनकाल में ही संघ का काम भारत के सभी हिस्सों में पहुंच गया था।

विभाजन का किया जिक्र

भारत को मिली स्वतंत्रता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जब हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई, दुर्भाग्यवश उसी समय भारत माता का मजहब के आधार पर विभाजन हो गया। ऐसी कठिन परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवकों ने नए बने पाकिस्तान में बंटवारे का दंश झेल रहे हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ फिर से स्थापित करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया।

स्वयंसेवक क्या होते हैं इस पर बात करते हुए होसबाले ने कहा, स्वयंसेवक की अवधारणा समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना है, जो शिक्षा से लेकर काम और राजनीति जैसे क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दिखा रही है।

आपातकाल का किया जिक्र

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने आगे कहा, हिंदू समाज के सुधारवादी कदमों को तब नई गति मिली, जब भारत के सभी संप्रदायों ने इस बात का ऐलान किया कि किसी भी तरह के भेदभाव की धार्मिक मान्यता नहीं है। आपातकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आपातकाल के दौरान जब संविधान पर क्रूर हमला किया गया था, तब शांतिपूर्ण तरीके से लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष में संघ के स्वयंसेवकों ने अहम भूमिका निभाई। संघ ने शाखा की अवधारणा से आगे बढ़कर सेवा कार्य की तरफ कदम बढ़ाया और पिछले 99 वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति की है।

संघ का विजन

100 वर्ष पूरे होने के साथ ही संघ के विजन पर बात करते हुए होसबाले ने कहा, आगामी सालों में पंच परिवर्तन यानि पांच स्तरीय कार्यक्रम का आह्वान संघ कार्य का केंद्र बना रहेगा। शाखाओं का विस्तार करते हुए संघ ने नागरिक कर्तव्यों, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे हर व्यक्ति देश को शिखर पर ले जाने में योगदान दे सके।

बाल ठाकरे का उत्तराधिकारी कौन, बेहतर सीएम कौन

नई दिल्ली। बाल ठाकरे की मौत के बाद से ही उनकी विरासत संभालने को लेकर विवाद चला आ रहा है। कुछ लोग बाल ठाकरे के उत्तराधिकारी के रूप में उनके बेटे उद्धव ठाकरे को देखते हैं, लेकिन इस रेस में और भी खिलाड़ी हैं। परिवार में अन्य सदस्य जैसे राज ठाकरे, जो बाल ठाकरे के भतीजे हैं, भी राजनीतिक मैदान में सक्रिय हैं और ये भी बाल ठाकरे का उत्तराधिकारी होने का दावा करते हैं। लेकिन शिवसेना की दिशा और पार्टी की अधिकांश कमान उद्धव ठाकरे के हाथों में रही है।

इसके अलावा एकनाथ शिंदे को भी इस रेस में देखा जाता है। महाराष्ट्र राजनीति में उठने वाले इस सवाल का जवाब भारत सरकार के रोड-एंड ट्रांसपोर्ट मंत्री नितिन गडकरी ने TV9 के मंच से दिया है। TV9 मंच से जब गडकरी से पूछा गया है कि बाल ठाकरे का उत्तराधिकारी कौन, तो उन्होंने सीधे जवाब देने की बजाय अपने ही ठंग में इसका जवाब दिया। गडकरी के सामने तीन विकल्प दिए गए थे – उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और एकनांद शिंदे, तीनों में से ही किसी एक को चुनने में गडकरी कतारते नजर आए।

बाला साहेब का मेरे लिए बहुत प्रेम था-गडकरी

गडकरी ने सवाल का जवाब देते हुए कहा, "बाला साहेब का मेरे लिए बहुत प्रेम था और तीनों से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं।" बाला साहेब ठाकरे के उत्तराधिकारी पर उन्होंने कहा ये तो जनता तय करेगी, मेरे तो तीनों ही दोस्त हैं और राजनीति एक तरफ और तीनों से संबंध एक तरफ हैं।

महाराष्ट्र का बेहतर सीएम कौन?

TV9 के मंच पर उत्तराधिकारी के सवाल के बाद एक और कठिन सवाल उद्धव ठाकरे से पूछा गया। सवाल था महाराष्ट्र का बेहतर मुख्यमंत्री कौन- एकनाथ शिंदे या देवेन्द्र फडणवीस? जिसपर गडकरी ने हंसते हुए कहा, "दोनों ही अच्छे हैं, लेकिन मेरी नजरों में देवेन्द्र जी ने बहुत अच्छा काम किया और अभी भी अच्छा काम कर रहे हैं।"

शाहरुख-सलमान-आमिर के अलावा इन स्टार्स की ये 6 बेहतरीन फिल्म दीपिका पादुकोण कर चुकी हैं रिजेक्ट

दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। हालांकि, अपने अभी तक के करियर में एक्ट्रेस ने कई सारे धमाकेदार फिल्मों के ऑफर को रिजेक्ट भी किया है। इन फिल्मों में बतौर लीड एक्टर सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ ही और भी एक्टर्स शामिल हैं।

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल हैं। एक्ट्रेस ने हमेशा अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों का दिल जीता है। दीपिका ने बतौर मॉडल इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी, इसके बाद से वो हिमेश रेशमिया के एल्बम में दिखी थी। हालांकि, फिल्मों की बात की जाए, तो दीपिका ने साउथ की फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

दीपिका पादुकोण का फिल्मी करियर काफी कमाल का रहा है। आने वाले वक्त में भी वो धमाकेदार फिल्मों में नजर आएंगी। फिलहाल एक्ट्रेस ने अपनी बेटी की वजह से फिल्मों से ब्रेक लिया हुआ है। हालांकि, फिल्मों की बात की जाए, तो दीपिका ने शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान समेत कई बड़े सितारों के साथ की फिल्में रिजेक्ट भी की हैं। खास बात ये है कि ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी।

फास्ट एंड फ्यूरियस 7

इस लिस्ट में सबसे पहले हॉलीवुड फिल्म का नाम शामिल है। दीपिका को 'फास्ट एंड फ्यूरियस 7' में एक रोल करने का ऑफर दिया गया था। हालांकि, दीपिका ने इस फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था, हालांकि इसकी वजह उनकी दूसरी फिल्म थी। दरअसल, एक्ट्रेस को जिस वक्त ये फिल्म ऑफर की गई थी, उस वक्त वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'राम लीला' की शूटिंग कर रही थीं।

सलमान खान के साथ फिल्में

वहीं सलमान खान की बात करें, तो दीपिका ने अभी तक उनके साथ कोई भी फिल्म नहीं की है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि एक्ट्रेस को सलमान के साथ कोई फिल्म ऑफर नहीं हुई, बल्कि दीपिका ने एक्टर के साथ की फिल्में रिजेक्ट कर दी थी। इस फिल्म में 'सुल्तान' और 'प्रेम रतन धन पायो' का नाम शामिल है। इन फिल्मों में बाद में अनुष्का शर्मा और सोनम कपूर को कास्ट किया गया।

जब तक है जान

दीपिका और शाहरुख खान की जोड़ी को लोग काफी पसंद करते हैं। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, लेकिन एक्ट्रेस ने शाहरुख खान की भी फिल्म करने से इनकार कर दिया था। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, वो 'जब तक है जान' है। हालांकि, उन्होंने इस फिल्म के लिए मना क्यों किया इसकी वजह पता नहीं चल पाई। बाद में इस फिल्म में कटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा नजर आई थीं।

धूम 3: बैक इन एक्शन

साल 2013 में आमिर खान की आई फिल्म 'धूम 3: बैक इन एक्शन' के लिए भी कटरीना से पहले दीपिका का नाम सामने आया था। हालांकि, एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट को भी ठुकरा दिया था। रिलीज के बाद ये फिल्म हिट साबित हुई थी। इस फिल्म में कटरीना का सॉन्ग कमली काफी फेमस हुआ था।

रणबीर कपूर की रॉकस्टार

दीपिका को इम्तियाज अली की फिल्म 'रॉकस्टार' में लीड रोल का ऑफर दिया गया था। इस फिल्म में दीपिका के अपोजिट रणबीर कपूर को कास्ट किया गया था। हालांकि, एक्ट्रेस ने इस फिल्म को करने से मना कर दिया था, जिसके बाद फिल्म में नरगिस फाखरी को कास्ट किया गया।

होटल तेहरान में लियाम और ज़ैचरी के साथ काम करना अद्भुत था : एलनाज नोरौजी

अभिनेत्री एल्नाज़ नोरौजी अपनी अगली फ़िल्म होटल तेहरान के साथ हॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में लियाम नीसन और ज़ैचरी लेवी के साथ अभिनय करती नज़र आएंगी। हाल ही में इस दिवा ने अपने सह-अभिनेताओं के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की।

एल्नाज़ नोरौजी ने बताया, लियाम और ज़ैचरी के साथ काम करना अद्भुत था, लेकिन हाँ, ज़ैचरी के साथ मेरा रिश्ता और भी गहरा है क्योंकि मुझे उनके साथ कास्ट किया गया है, इसलिए हमारा रिश्ता और भी मजबूत है। हमने बहुत सारा पोकर खेला, वह एक बेहतरीन पोकर खिलाड़ी हैं। शूटिंग के बाद हर दिन हमारे लिए यह एक रस्म बन गई थी। यह कुछ ऐसा है जिससे मुझे उनके द्वारा परिचित कराया गया और अब मैं इसे खेलने का पूरा आनंद लेती हूँ।

इस फिल्म को करने का कारण बताते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैंने इस फिल्म को करने के लिए कई कारण बताए, लेकिन मुख्य कारण यह है कि निर्देशक बहुत बढ़िया हैं और अपने काम को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, प्रोडक्शन हाउस इससे जुड़ा है, और तथ्य यह है कि मैंने ज़ैचरीज़ की फिल्में देखी हैं और मुझे लगता है कि वह शानदार हैं। इसलिए, मुझे उनके साथ इस भूमिका को निभाने का प्रस्ताव मिला, जो मेरे लिए बिल्कुल सही था। कोई यह कैसे भूल सकता है कि लियाम नीसन एक शानदार इंसान हैं, इससे ज़्यादा कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है।

होटल तेहरान में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, अब अपने किरदार की बात करें तो जब मुझे इसका वर्णन मिला तो मैं दंग रह गई। इस किरदार में कई परतें हैं, जिससे मुझे बहुमुखी होने का मौका मिला। यह किसी भी अभिनेता के लिए एक सपने के सच होने जैसा है।

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछे जाने पर, एलनाज नोरौजी ने कहा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं और इस साल का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि यह कई बड़ी घोषणाओं का साल होगा। मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हूं, जो एक फ्रैंचाइज़ी है और उसके बारे में घोषणा होनी बाकी है। गर्मियों में मेरे पास अमेज़न प्राइम के साथ कुछ है। मैं जल्द ही इसके बारे में बात करूंगी और बहुत कुछ, लेकिन हां, जल्द ही आप मेरी तरफ से बहुत कुछ सुनेंगे।

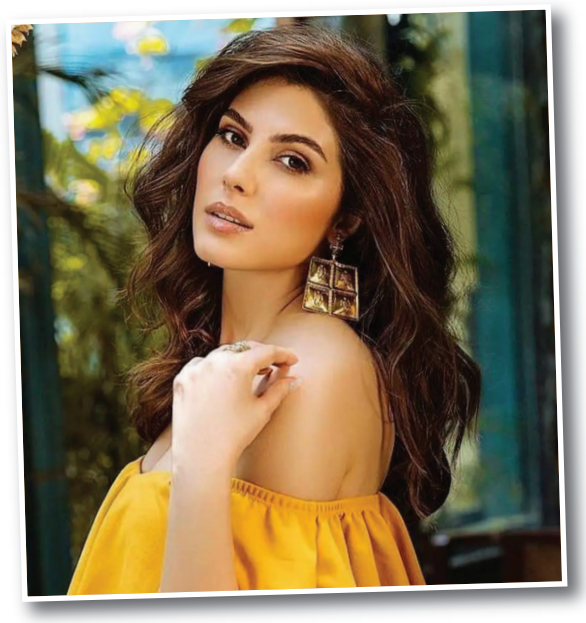

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com